# दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

बलरामपुर
रविवार, 08 फरवरी 2026
वर्षः 05 अंक : 127 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com



स्वयंभू के मेकर्स का बड़ा ऐलान! ...8

# ट्रस्ट भारत की सबसे बड़ी करेंसी

## कुआलालंपुर में बोले पीएम मोदी– हम Top 3 Economy के करीब

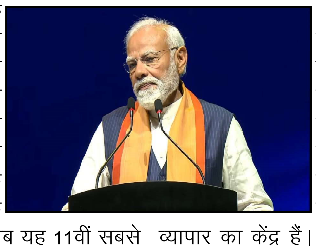

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कुआलालंपुर में एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जल्द ही मलेशिया में नया वाणिज्य दूतावास खोलेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने 10 वर्षों में व्यापक परिवर्तन देखा है और तब यह 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, लेकिन अब हम शीर्ष तीन में शामिल होने के करीब हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत जल्द ही छात्रों को भारत में अध्ययन करने के लिए तिरुवल्लुवर छात्रवृत्ति प्रदान करेगा और यह भी बताया कि ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हैंय विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले कहा था कि भारत को सिर्फ एक विशाल बाजार के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि अब हम निवेश और व्यापार का केंद्र हैं। भारत को विकास के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जाता है। चाहे वह ब्रिटेन हो, यूएई हो, ऑस्ट्रेलिया हो, न्यूजीलैंड हो, ओमान हो, यूरोपीय संघ हो या अमेरिका हो, इन सभी देशों के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मलेशिया में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा भारतीय मूल का समुदाय है। भारतीय और मलेशियाई दिलों को जोड़ने वाली कई चीजें हैं। आप ही वो जीवंत सेतु हैं जो हमें जोड़ता है। आपने रोटी कनाई को मालाबार परोटा से जोड़ दिया है। नारियल, मसाले और हां, तेह तारिक। कुआलालंपुर हो या कोच्चि, ये स्वाद इतने परिचित लगते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम एक–दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। यह शायद आपकी भाषाओं और मलय भाषा में समान शब्दों की बड़ी संख्या के कारण है। मैंने सुना है कि मलेशिया में भारतीय संगीत और फिल्में लोकप्रिय हैं। आप सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम बहुत अच्छा गाते हैं। लेकिन भारत में कई भारतीयों को यह पता नहीं था।

## भूकंप से घबराने की जरूरत नहीं, जोन–3 में होने से लखनऊ और गंगा के मैदानी इलाके हैं सुरक्षित

लखनऊ। यदि आप राजधानी और आसपास क्षेत्र में रहते हैं तो भूकंप से घबराने की जरूरत नहीं है। गंगा के मैदान क्षेत्र में आने के कारण यह इलाका पूरी तरह से सुरक्षित है। गोंडा में शुक्रवार को भूकंप के हलके झटके महसूस होने के बाद लोगों में दहशत तो नहीं है, लेकिन चिंता जरूर है। राजधानी और इसके आसपास के जिले सुरक्षित जोन में आते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर और इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोकार्बन, एनर्जी एंड जियो–रिसोर्सेज के निदेशक प्रो.अजय आर्या का कहना है कि लखनऊ और गंगा के मैदान का अधिकांश क्षेत्र भूकंप जोन–तीन में आता है।

# यूएसए को निर्यात पर अब जीरो ड्यूटी!

## पीयूष गोयल ने बताया ट्रेड डील का पूरा गणित, इन सेक्टर्स को बंपर फायदा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते की सराहना की। समझौते का विवरण देते हुए गोयल ने कहा कि अब अमेरिका निर्यात के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य होगा और भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत दोनों देशों का मुख्य लक्ष्य 500 अरब डॉलर का वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार हासिल करना है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र इस समझौते से खुश है और सरकार को हर तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। पीयूष गोयल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में भारत की यात्रा में आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है... भविष्य को ध्यान में रखते हुए, और दोनों देशों के संबंधों, राजनयिक संबंधों और उनके नेताओं के बीच मित्रता को देखते हुए, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा फरवरी 2025 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच प्रतिवर्ष 500 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हासिल करना था। आज का दिन इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। पूरे देश में खुशी की लहर है। देश के हर क्षेत्र में भविष्य को लेकर जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि आने वाले दिनों में नए अवसर खुलेंगे, और विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, लगभग तीस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था, संयुक्त राज्य अमेरिका अब हमारे निर्यातकों के लिए सबसे पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करके अपने दरवाजे खोलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे किसानों के हितों की रक्षा जिस तरह से की गई है, उससे किसानों और डेयरी क्षेत्र दोनों के हितों की रक्षा हुई है। मेरा मानना घ्है कि अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त बयान, जिसे कल देर रात अंतिम रूप दिया गया और दुनिया के सामने पेश किया गया, देश के हर कोने में सराहा गया है। आज सुबह भी मैं एक वीडियो देख रहा था। उत्तर प्रदेश के संभल के एक साधारण कारीगर, जो हस्तशिल्प क्षेत्र में काम करते हैं, कह रहे थे, ष्अब टैरिफ अठारह प्रतिशत है। अब हमारी किस्मत अच्छी है, हमें बहुत फायदा होगा। नए ऑर्डर आएंगे और तरक्की होगी।

# यूएसए ने छुड़ाए टीम इंडिया के पसीने, सूर्यकुमार की कप्तानी पारी से मिली पहली जीत

भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के अपने अभियान की शुरुआत 29 रनों की आसान जीत के साथ की। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, और मैच से पहले तो यहां तक चर्चा थी कि अपेक्षाकृत कम अनुभवी अमेरिकी गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारत 300 रनों का स्कोर बना सकता है। जब मेहमान टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, तो उम्मीदें और बढ़ गईं, लेकिन भारतीय बल्लेबाजी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। इससे पहले भारत ने टी20 विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ 161ध्9 का स्कोर खड़ा किया था जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव की नाबाद 84 रनों की पारी का अहम योगदान रहा। अमेरिकी टीम ने तूफानी शुरुआत की, जिसमें अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा और शिवम दुबे सस्ते में आउट हो गए। इसके बाद यादव ने अहम साझेदारियों और अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से पारी को संभाला और मौजूदा चौंपियन टीम को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया था। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, अमेरिका ने शानदार शुरुआत की, जब अली खान ने खतरनाक अभिषेक शर्मा को गोल्डन डक पर आउट कर दिया। इसके बाद ईशान किशन तिलक वर्मा के साथ जुड़े और दोनों ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने 37 रनों की साझेदारी की, लेकिन पावरप्ले के आखिरी ओवर में शैडली वैन शाल्कविक ने ईशान किशन (16 गेंदों में 20 रन), तिलक वर्मा (16 गेंदों में 25 रन) और शिवम दुबे को गोल्डन डक पर आउट करके मैच का रुख पलट दिया। पहले छह ओवरों के अंत में भारत 46ध्4 के मुश्किल हालात में था।

## अमेरिका–भारत समझौते पर शिवराज सिंह चौहान का आश्वासन, कहा– किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आश्वासन दिया कि सरकार ने अमेरिका–भारत व्यापार समझौते के अंतरिम ढांचे में किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख फसलों और दुग्धा उत्पादों की रक्षा की है। शिवराज सिंह चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस समझौते से भारतीय निर्यात के लिए अमेरिकी बाजार खुलेंगे और उन्होंने कहा कि हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे। कृषि मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि इससे बहुत लाभ होगा। यह भारत के किसानों और जनता के हित में है। हमने सभी प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। दूसरी ओर, किसानों को निर्यात के लिए बाजार मिलेंगे। हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे। हमारे मसाले वहां जाएंगे। यह किसानों के हित में है। शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में किसानों से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। भारत और अमेरिका ने पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा की घोषणा की। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह रूपरेखा 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, जिसमें अतिरिक्त बाजार पहुंच प्रतिबद्धताएं और अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए समर्थन शामिल होगा। बयान के अनुसार, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा, जिसमें सूखे अनाज (डीडीजी), पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं।

## नवजोत कौर सिद्धू का राहुल गांधी पर तीखा वार, बोलीं- पप्पू का ठप्पा उन्होंने खुद लगवाया

चंडीगढ़। पंजाब की पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू ने कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर जमीनी हकीकतों से कटे रहने और पार्टी कार्यकर्ताओं की बात न सुनने का आरोप लगाया। एक्स पर कई पोस्ट में सिद्धू ने कहा कि गांधी के पास जमीनी स्तर से उठने वाली समस्याओं को सुनने का समय नहीं है और इसी वजह से उन्हें ष्पप्पूष उपनाम मिला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व से बार–बार संपर्क करने की कोशिशें नाकाम रहीं।

नवजोत कौर सिद्धू ने एक्स पर लिखा कि पप्पू ने आखिरकार अपना नाम छाप दिया है। एक ऐसा नेता जो खुद को एकमात्र ईमानदार और ज्ञानी समझता है, जमीनी हकीकतों से पूरी तरह बेखबर। उसके करीबी लोग, जो उसके लिए काम करते हैं, उसे निर्वासन में रखने और विलासितापूर्ण जीवन जीने में कामयाब हो जाते हैं, और उसके कोई भी निर्णय लेने से बहुत पहले ही टिकट बेच देते हैं। आपातकालीन स्थिति में प्रतिक्रिया देने में उसे 6 महीने से अधिक का समय लगता है, तब तक नुकसान होना तय है।

उन्होंने आगे लिखा कि लोगों को अपने साथ जोड़ने से पहले, उसे अपने तथाकथित समर्थकों से यह पता कर लेना चाहिए कि क्या वे ईमानदार होने के लिए तैयार हैं? क्या वे ईमानदार होकर पंजाब के लिए काम करने को तैयार हैं? उसके बहुत से अनुयायी निस्वार्थ सेवा के लिए तैयार नहीं हैं, बल्कि वे अपनी जेबें भरने में व्यस्त हैं क्योंकि वे जानते हैं कि वे वापस नहीं लौटेंगे। अगर आपमें हिम्मत है तो उनसे मौजूदा सरकार के खिलाफ बोलने को कहें और तैयार रहें... अपनी फाइलों के खुलासे के लिए।

## बिहार के हर गांव में बनेगी दुग्ध उत्पादन समिति, पशुपालकों को मिलेगा उचित मूल्य : नीतीश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि 'सात निश्चय–3' के तीसरे निश्चय 'कृषि में प्रगति–प्रदेश में समृद्धि' के तहत डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, ताकि पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुल 39,073 गांवों में से 25,593 गांवों में दुग्धा उत्पादन समितियों का गठन किया जा चुका है। शेष सभी गांवों में अगले दो वर्षों के भीतर समितियों का गठन करने का निर्देश पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को दिया गया है। इससे पशुपालकों की आमदनी बढ़ेगी और राज्य में दूध की उपलब्धता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'सात निश्चय–2' के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में सुधा दुग्धा बिक्री केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। अब 'सात निश्चय–3' के अंतर्गत राज्य की सभी पंचायतों में भी सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया है।

## भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर पवन खेड़ा का बड़ा हमला, बोले- ये समझौता नहीं, बल्कि आत्मसमर्पण है

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इससे भारत के हितों और आत्मसम्मान से समझौता हुआ है। खेड़ा ने वर्तमान नेतृत्व की तुलना उन पूर्व नेताओं से की जो अमेरिकी समकक्षों के साथ दृढ़ रुख अपनाते थे, जिससे मुखरता में कमी का संकेत मिलता है। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों निक्सन, बुश और ओबामा का नाम लेते हुए कहा कि पिछली भारतीय सरकारें वैश्विक महाशक्तियों के साथ बराबरी का व्यवहार करती थीं। खेड़ा ने कहा कि वह भारत कहाँ है जो निक्सन, जॉर्ज बुश और ओबामा की आँखों में आँखें डालकर व्यावहारिक संबंध स्थापित करता था? आज ऐसा क्यों लगता है कि भारत के आम लोगों के हितों को नरेंद्र मोदी और उनके दो मित्रों, अंबानी और अडानी के हितों के आगे दरकिनार कर दिया गया है? यह अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं, बल्कि हमारे आत्मसम्मान के साथ समझौता है।

# समाजवादी पीडीए यात्रा से पूरे प्रदेश को मथेंगे अखिलेश यादव

लखनऊ। वर्ष 2027 में दोबारा सत्ता हासिल करने की तैयारी में जुटे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अगले माह समाजवादी पीडीए यात्रा शुरू करने जा रहा है। रामनवमी के दिन सपा प्रमुख अपने समाजवादी रथ पर संविधान बचाओ–पीडीए बचाओ के नारे के साथ पूरे प्रदेश में माहौल बनाने निकलेंगे। पूर्व के चुनावों में कमजोर प्रदर्शन वाली सीटों पर बढ़त बनाने की रणनीति के तहत नोएडा में पीडीए भागीदारी रैली के आयोजन के साथ उनकी इस यात्रा की शुरुआत होने की संभावना जताई जा रही है। इसके लिए उनके विशेष रथ (बस) को तैयार किया जा रहा है।

वर्ष 2012 में सपा ने प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी, उस चुनाव के प्रचार में अखिलेश यादव ने साइकिल यात्रा से पूरे प्रदेश में माहौल बनाया था। वर्ष 2017 और 2022 के चुनावों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा, परंतु वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा प्रमुख ने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) का नारा बुलंद किया। उस चुनाव में 37 सीटे हासिल कर भाजपा को शिकस्त दी थी। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए भी सपा इसी रणनीति के विस्तार में जुटी है। पीडीए के साथ अगड़ों और समाज के अन्य वर्गों में भी पैठ बनाने की रणनीति पर काम हो रहा है। साथ में फोकस उन सीटों पर है, जहां पूर्व के चुनावों में पार्टी प्रत्याशी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इन तैयारियों के बीच 26 मार्च को रामनवमी के दिन समाजवादी पीडीए यात्रा शुरू होगी, जो प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र से गुजरेगी। रामनवमी के दिन के चयन को भी पार्टी की रणनीति से जोड़ा जा रहा है, हाल ही में सपा ने माघ मेला प्रकरण आदि मामलों में भाजपा पर सनातन के अपमान के सवाल उठाए थे। बताया जा रहा है कि 26 मार्च को नोएडा में एक बड़ी रैली का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद यात्रा अन्य क्षेत्रों के लिए रवाना होगी।

इसी यात्रा के दौरान कई सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की भी संभावना है। इसके लिए संभावित उम्मीदवारों के नाम पर फीडबैक लेने का काम तेजी से चल रहा है। इससे पहले अलग–अलग क्षेत्रों में विभिन्न वर्गों में पकड़ मजबूत करने के लिए अन्य कार्यक्रम–सम्मेलन करने की भी रूपरेखा तैयार कर रही है।

### नोएडा से शुरुआत पर चर्चाएं

हालांकि नोएडा से शुरूआत को लेकर भी सियासी गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं, क्योंकि एक सियासी मिथक के तहत मुख्यमंत्रियों के लिए नोएडा को अशुभ माना जाता था। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई बार नोएडा जा चुके हैं और मिथक को लेकर सपा प्रमुख पर निशाना साधते रहे हैं।

# श्री श्याम प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर निबंध लेखन व कवि सम्मेलन का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं देवेंद्र नाथ सामाजिक एवं शैक्षिक सेवा संस्थान,

सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 07 फरवरी 2026 को निबंध लेखन व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके उपरांत डीएनआईआईटी के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। प्रातः श्रृंखला कार्यक्रम का शुभारंभ देवेंद्र नाथ सामाजिक एवं शैक्षिक सेवा संस्थान, थरौली, सिद्धार्थनगर में निबंध लेखन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विनोद उपाध्याय प्रेस क्लब बस्ती, अरुण कुमार प्रजापति अध्यक्ष कीड़ा भारती द्वारा शीर्ष प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात कवि सम्मेलन का आयोजन व छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम सामाजिक समरसता, राष्ट्रवादी चेतना एवं सांस्कृतिक एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मंचासीन अतिथियों को स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा सार्वजनिक संकल्प एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्था के प्रबंधक श्री अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# एम.आई. पब्लिक स्कूल बनगाई में छात्र–छात्राओं का किया विदाई समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

**इटवा/सिद्धार्थनगर।** एम०आई० पब्लिक स्कूल बनगाई में सम्मिलित होने वाले छात्र/छात्राओं का बुधवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे कक्षा 9वीं एवं 11वीं के जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर 10वीं व 12वीं के छात्र/छात्राओं को विदाई किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती का चित्र पर पुष्पाचन कर प्रारम्भ हुआ, तत्पश्चात विद्यालय के छात्राओं द्वारा कार्यक्रम में आये हुऐ अतिथियों का स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस दौरान प्रधानाध्यापिका सविता यादव ने

कहा कि सभी बच्चे परीक्षा में अच्छे परीणाम लाकर अपने भविष्य को उज्जवल करें तथा विद्यालय का नाम रोशन करें। मेहनत और बेहतर परीणाम ही आपका भविष्य तय करेगा। जीवन में हमेशा आगे बढ़ने का प्रयास करें। इस दौरान मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबन्धक एम०के० शेख ने यूपी बोर्ड परीक्षा हाई स्कूल इन्टरमीडिएट में विद्यालय से सम्मिलित होने वाले छात्र/छात्राओं को बेहतर अंको से उत्तीर्ण होकर अपने गुरुजनों एवं अभिभावकों का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी। उप प्रबन्धक साजिद शेख ने कहां की सभी बच्चे अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें। बिना लक्ष्य निर्धारण के पूर्ण सफलता मिलना बहुत मुश्किल होता है। वहीं मेनेजमेंट रामसरन सर, उप प्रधानाध्यापिका प्रतीक्षा मिस सहित अवधेश मौर्या सर, राहुल सर, हेमंत सर दिनेश बौद्ध सर, अवधेश पाल सर, शमसुलहुदा सर, अमीषा मिस, सुमन मिस ,सबा मिस व विद्यालय संस्थापक राजाराम चौधरी ने भी विद्यार्थियो को शुभकामनाएं दियें। प्रबन्धक द्वारा 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले छात्र/छात्राओं को पठन पाठन सामग्री दी गयीं। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य लोगों मे उबेद खान जी, मखदूम बक्श, रहमतुल्लाह, सूरज शर्मा, रंजीत, घनश्याम यादव, शिवकुमार रावत, कन्हैया कन्नौजिया, आदि उपस्थित रहें।

# एसडीएम के प्रशासनिक नियंत्रण व कार्यकुशलता की डीएम ने की सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। तहसील नानपारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसुनवाई के उपरान्त जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा तहसील नानपारा का औचक निरीक्षण कर अभिलेखों के रख–रखाव, भवन एवं परिसर की साफ–सफाई के साथ–साथ तहसील अन्तर्गत संचालित विभिन्न पटलों का निरीक्षण कर न्यायिक कार्यों, वादो का निस्तारण, राजस्व अभिलेखों, वसूली, अभिलेखागार, आईजीआरएस एवं जनसुनवाई इत्यादि व्यवस्था का गहनता से परीक्षण किया गया। एसडीएम

न्यायालय में दर्ज वादों की स्थिति की समीक्षा के दौरान पाया गया कि 01 वर्ष से अधिक अवधि का कोई भी वाद लंबित नही है। पत्रावलियों के अवलोकन प्रथम . ष्टया समस्त धाराओं के वादों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण पाया गया। इस स्थिति पर डीएम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में तहसील नानपारा में प्रशासनिक एवं न्यायिक स्तर पर उत्ष्ट कार्य किया जा रहा है। डीएम ने तहसीलदार व नायब तहसीलदारों के न्यायालयों का निरीक्षण करते हुए प्रचलित वादों का गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की स्थिति बेहतर पायी गयी। डीएम ने एसडीएम को निर्देश दिया कि नियमित रूप से समीक्षा करती रहें जिससे वसूली की प्रगति बनी रहे।आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों समीक्षा के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि तहसील नानपारा पिछले 06 माह से लगातार आईजीआरएस निस्तारण में जनपद में प्रथम स्थान बनाए हुए है। इस स्थिति पर डीएम ने कहा कि यह उपलब्धि तहसील प्रशासन की संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई एवं शिकायतकर्ता संतुष्टि को दर्शाती है।

# प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के मेधावी छात्र–छात्राओं को किया गया सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। नगर पंचायत बिस्कोहर स्थित भारत इंस्टीच्यूट ऑफ कंप्यूटर एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार को सामान्य ज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सफल होने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ठ अतिथि युवा भाजपा नेता जय वर्धन तिवारी व वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। सम्मान समारोह से पूर्व कालेज के छात्र – छात्राओं ने सरस्वती वंदना , स्वागत गीत व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा से सभी अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता, विशिष्ट अतिथि थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय, भाजपा नेता जय वर्धन तिवारी, चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही, सुधीर त्रिपाठी, प्रभात जयसवाल, सुरेश पांडेय, पप्पू पांडेय, उमाकांत गुप्ता, गोपेश दूबे, रघुनंदन कुमार, शांतनु मिश्र ने प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान हासिल करने वाले छात्र संदीप चौधरी को साइकिल, द्वितीय स्थान पर विशाल गुप्ता व नबी जहान , तृतीय स्थान पर शुभम तिवारी व मानवी श्रीवास्तव और जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान हासिल करने वाले सत्यम गुप्ता , द्वितीय स्थान पर मानवी गुप्ता , तृतीय स्थान स्थान पर विशाल को कूलर , पंखा इलेक्ट्रानिक लाइट व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ वर्ष 2025 के बोर्ड परीक्षा में इंटरमीडिएट व हाईस्कूल में सबसे ज्यादा अंक लाने वाले मनोज तिवारी, माही चौधरी, ज्योति गुप्ता, रमेश साहू, महिमा त्रिपाठी व रजत पांडेय को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।बीआईसीटी के प्रबंधक निर्देशक आकाश मिश्र ने संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन इसी साल 7 जनवरी को संपन्न कराया गया था जिसमें सर्वोदय इंटर कालेज डोकम अमया, संत मौनी दास इंटर कॉलेज व गंगाधर दुबे इंटर कॉलेज पोखर भिटवा के चार सौ छात्र – छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। इस अवसर पर भारत प्रसाद मिश्रा, बब्बू तिवारी, मोहन मिश्रा, मंतोष पाठक, राकेश मिश्रा , आकाश मिश्रा, शिवा पांडेय, मोहम्मद आरिफ डीपी तिवारी, मोहम्मद इस्लाम आदि मौजूद रहे।

# गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के दूसरे दिन नेपाल सीमा से सटे 34 गांवों में स्वास्थ्य शिविर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के दूसरे दिन नेपाल सीमा से सटे 34 गांवों में स्वास्थ्य शिविर में लगभग 14 हजार से अधिक लोगों का निःशुल्क उपचार किया गया। यात्रा के दूसरे दिन विकास खंड गैसड़ी बालापुर मोहकमपुर बितनिया, मुतेहरा, सोनगढ़, जरवा, बरगदवा कला और पचपेड़वा विकास खंड क्षेत्र में के ठूलवालिया, वीरपुर समरा, चंदनपुर, भूसहर ऊंचवा, भगवानपुर, कोड़र, कोहर गद्दी, मडनी, भुसहर पुरई, विशुनपुर विश्राम, इमलिया कोड़र, बड़का भूकुर्वा, परसरामपुर, रजडेरवा थारू, सुगानगर डुमरी, भौंरीसाल पचपेड़वा और विकासखंड तुलसीपुर के चौहत्तर कला, नंदमहरा, लालनगर सिपहिया, नैकिनिया, बेली खुर्द और विकास हरिया सतघरवा के ग्राम पंचायत

बारहवां, भदवार, धौरीकला, धर्मपुर, शंकरपुर गिरगिटही, कैली, मजगवां, लंबी कोहल सहित विभिन्न गांवों में स्वास्थ्य शिविर के माध्यम मरीजों का परीक्षण कर दवाएं वितरित कीं गई। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल जी, प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा सिंह, डॉ एमएलबी भट्ट निदेशक कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट, विभाग प्रचारक प्रवीण, जिला प्रचारक जितेंद्र एनएमओ अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा और एनएमओ सचिव डॉ विकल्प मिश्रा यात्रा संयोजक राम .पाल ने भौरिसाल और बालापुर में स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य शिविर में 75 मेडिकल कॉलेज से आए चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इन स्वास्थ्य शिविरों में सामान्य रोगों के साथ–साथ मौसमी बीमारियों, महिला स्वास्थ्य, बच्चों से जुड़ी समस्याओं और वृद्धजनों के स्वास्थ्य की विशेष जांच की गई। दूर–दराज और सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को शहर जाए बिना बेहतर चिकित्सा सुविधा मिली, जिसकी उन्होंने सराहना की। इस दौरान विभाग संघ चालक सौम्य अग्रवाल, जिला कार्यवाह किरीट मणि, यात्रा सह संयोजक शैलेन्द्र, विभाग मार्ग प्रमुख नील मणि, विकास कांत, विभाग प्रचार प्रमुख मनीष कुमार, जिला प्रचार प्रमुख मोहनीश, शिवम, अवधेश, विवेक गोयल, डॉ शरद सिंह, आनंद शुक्ला, एसएसबी टीम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# अपराधी बेखौफ, बेखबर खाकी: तरया सुजान थाना बना शराब तस्करों और चोरों का सेफ जोन

कुशीनगर, 07 फरवरी (आरएनएस)। यूपी और पडोसी राज्य बिहार सीमा पर स्थित तरयासुजान थाना क्षेत्र अब पुलिस के नियंत्रण में नहीं, बल्कि अपराधियों की शरणस्थली बन चुका है। बहादुरपुर और तिनफेडिया सीमा चौकियों के नाक के नीचे शराब तस्करी और चोरी धडल्ले से जारी है। मतलब साफ है कि यह इलाका शराब तस्करी और चोरी का सेफ जोन बन गया है। जहां अपराध बेधड़क हो रहे हैं और खाकी वर्दी का रौब दिखाकर अपना पीठ थपथपा रही है।

ज्ञातव्य हो कि यह कोई एक–दो घटनाओं की कहानी नहीं, बल्कि लगातार लूट, चोरी के बाद पुलिस प्रशासन की रटा–रटाया जबाब श्श्जांच चल रही है की भयावह दास्तान है। बात करे तिनफेडिया पुलिस चौकी क्षेत्र के तरया हरकेश दुर्गा मंदिर की तो यहां बीते कुछ महीनों में तीन से चार बार चोरियां हो चुकी है। कभी इन्वर्टर, कभी मंदिर की घंटी, कभी दानपात्र, लेकिन एक भी चोरी का आज तक खुलासा नही हो सका है। यहीं नहीं बीते सप्ताह तरया लछ्छीराम प्राथमिक विद्यालय में भी भीषण चोरी हुई। विद्यालय से गैस सिलेंडर, चूल्हा, करीब छ दर्जन थाली –गिलास, कटोरी समेत अन्य सामान चोर उठा ले गए।

ग्रामीणों ने तहरीर दी, लेकिन पुलिस का वही रटा रटाया जबाब "जांच चल रही है।" इतना ही नहीं, तरया लछ्छीराम ब्रह्मा स्थान से पीतल की घंटी चोरी हुई, हफुआ जीवन शिव सागर पोखरा स्थित प्राचीन शिव मंदिर से इन्वर्टर बैटरी गायब हुआ। दानपात्र तोड़ा गया, सबकी सूचना ग्रामीणो ने पुलिस को दी बावजूद इसके चोर आज तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। लोगों में चर्चा के अनुसार शिव मंदिर चोरी को लेकर पुलिस ने "मैनेज" कर वहां दोबारा इन्वर्टर–बैटरी की व्यवस्था करा दी लेकिन चोर कानून के लंबे हाथ के पकड से दूर रहे। क्या अपराध सिर्फ मैनेजमेंट से खत्म हो जाएगा?

शराब तस्करी पर बिहार पुलिस की मुहर– चर्चा के अनुसार बहादुरपुर चौकी की चेकिंग व्यवस्था की पोल उस समय बेनकाब हो गई जब बगल के बिहार में एक हजार पेटी शराब पकड़ी गई। सवाल लाजमी है इतनी बड़ी शराब की खेप यूपी सीमा से पार कर बिहार कैसे पहुंची? क्या बहादुरपुर चौकी सिर्फ नाम की चौकी है?

चोरो का 'सेफ जोन' बना इलाकाः एनएच– 28 के पास तार काटकर ले जाने की घटनाएं हों या विद्यालयों में चोरी यह बताने के लिए काफी है कि इस सीमांत इलाके में अपराधियों की चांदी है और पुलिस की पकड़ ढीली है।

हालांकि यह भी सच है कि जिले की कमान संभाल रहे कप्तान साहब ने पूर्व में बहादुर पुर चौकी से जुड़े एक एसआई पर कार्रवाई कर यह संदेश दिया है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लेकिन सवाल अभी सुरसा की तरह मुंह बाये खडी है। क्या पूरी चौकी व्यवस्था की समीक्षा होगी ? क्या बार–बार चोरी और तस्करी के बावजूद जिम्मेदारों पर गाज गिरेगी? या फिर तरया सुजान थाना यूं ही अपराधियों की प्रयोगशाला बना रहेगा ?।

# एक जिला एक व्यंजन योजना से प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों को मिलेगी वैश्विक पहचान:उप मुख्यमंत्री

कुशीनगर। प्रदेश सरकार की महत्त्वाकांक्षी एक जिला एक उत्पाद योजना की सफलता के बाद अब उसी तर्ज पर एक जिला एक व्यंजन योजना को लागू किए जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों के पारंपरिक व्यंजनों की पहचान कर स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के माध्यम से कैंटीन संचालन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग तथा देश–विदेश में विपणन की व्यवस्था की जाएगी। उक्त बातें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद के तमकुहीराज कस्बे से सटे ग्राम गाजीपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कही। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का निरीक्षण किया तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अपने संबोधन मे कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अब तक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 30 लाख दीदियों को लखपति बनाया जा चुका है तथा आगामी चरण में एक करोड़ दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रदेश में साढ़े सात हजार समूहों को करोड़पति समूह के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक जिला एक व्यंजन योजना से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा स्थानीय व्यंजनों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री ने एक निजी कार्यक्रम के आयोजकों को तमकुहीराज क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक संस्थान की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक पहल करने हेतु बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के विस्तार से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैया जोशी, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, सांसद देवरिया शशांक मणि त्रिपाठी, जनपद के प्रभारी मंत्री श्रीमती शकुंतला चौहान, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय तथा विधायक डॉ० असीम कुमार सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया तथा मूक–बधिर एवं दिव्यांग जन सशक्तीकरण विभाग द्वारा चयनित लाभार्थियों को डेमो चेक के माध्यम से प्रोत्साहन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

# 25 पेटी बंटी बबली के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कुशीनगर। जनपद के तरयासुजान पुलिस ने एक अदद पिकप वाहन से धान की बोरी में छिपा कर बिहार ले जाए जा रहे कुल 25 पेटी अवैध देशी शराब बंटी बबली वाहन सहित कुल कीमत लगभग 6 लाख 65 हजार रुपये के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जनपद में अवैध शराब बिक्री, निष्कर्षण, परिवहन के विरुध्द चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे तरयासुजान थाना क्षेत्र से एक अदद पीकप वाहन से बिहार ले जाए जा रहे 25 पेटी अवैध देशी शराब बंटी बब्ली के साथ अभियुक्त भीम कुमार गुप्ता पुत्र शिवपूजन गुप्ता निवासी पेनुला खास थाना उचका गांव जनपद गोपालगंज बिहार को गिरफ्तार किया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 29/2026 धारा 60/72 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया। बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 रामसहाय चौहान, उ0नि0 विक्रम अजीत राय, का0 संदीप गोंड, का0 रामनिवास यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

# सिटी मोंटेसरी स्कूल बस्ती में जादूगर यश कुमार ने दिखाए रोमांचक करतब

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बस्ती।** सिटी मोंटेसरी स्कूल, बस्ती के प्रांगण में कोलकाता से आए प्रसिद्ध जादूगर यश कुमार द्वारा रंगारंग जादूगरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व जिला पंचायत सदस्य कपिल देव सिंह उर्फ मम्मू सिंह, सामाजिक सेवा संस्थान चित्रांश क्लब के संस्थापक अश्विनी श्रीवास्तव, क्लब अध्यक्ष सत्येंद्र श्रीवास्तव, आवास विकास के सभासद पप्पू शुक्ला, पिकौरा दत्तुराय के सभासद अभिजीत सिंह, विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे एवं प्रधानाचार्य एम. हरनी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। जादूगर यश कुमार ने अपने कार्यक्रम में बच्चों के सिर के ऊपर अग्नि प्रज्वलित कर चाय बनाना, इंडियन मून, पैसे का प्रोडक्शन, रंग–बिरंगी चाऊमीन बनाना, समाचार पत्र की कटिंग सहित 50 से अधिक प्रकार की

जादूगरी प्रस्तुत की। जादू के इन अद्भुत करतबों को देखकर विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने खूब आनंद लिया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने भी बच्चों के साथ जादूगरी का भरपूर आनंद उठाया और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि सिटी मोंटेसरी स्कूल सत्र 2026–27 में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल करेगा। उन्होंने बताया कि कक्षा 6 से 8 तक में नामांकन लेने वाले छात्रों को निःशुल्क टैबलेट, कक्षा 9 के छात्रों को मिनी लैपटॉप तथा कक्षा 11 के छात्रों को लैपटॉप उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस घोषणा का उपस्थित सभी अभिभावकों ने स्वागत करते हुए विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य एम. हरनी, कोऑर्डिनेटर सुषमा श्रीवास्तव, संध्या त्रिपाठी सहित शिक्षकगण सूरज श्रीवास्तव, श्रीराम यादव, विमला सिंह, ईस्मिता अस्थाना, शशिकला सिंह, अंजू सिंह, दानिश रजा, संतोष कुमार पांडे, रिया अस्थाना, निशा पांडे, वेद व्यास चौबे, अनुष्का मिश्रा, दीपिका शाही, ममता त्रिपाठी, सुप्रिया कश्यप, संध्या पांडे, उषा गुप्ता, कीर्ति पांडे, देवेंद्र कुमार पटेल, चांदनी श्रीवास्तव, राशि कसौधन, तूलिका श्रीवास्तव, मनोज कुमार गुप्ता, कुमार आनंद, हिमांशी पांडे, अर्जुन बरनवाल सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

# आरसीसी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बस्ती।** आरसीसी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भव्य रूप में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण, छात्र–छात्राएँ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के आदरणीय निदेशक शैलेश चौधरी एवं उप–प्रधानाचार्य विजय प्रकाश चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व, अनुशासन, टीमवर्क तथा स्वस्थ जीवनशैली पर प्रकाश डाला।वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रीन हाउस ने हाउस चौंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि रेड हाउस रनर–अप रहा। क्रिकेट, कबड्डी एवं फुटबॉल प्रतियोगिताओं में ब्लू हाउस विजेता रहा। क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ज़ीशान को मैन ऑफ द सीरीज़ के सम्मान से नवाज़ा गया। खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत ज़िगज़ैग रेस सहित अनेक

सीनियर बॉयज़ एवं सीनियर गर्ल्स रिले रेस, जूनियर बॉयज़ एवं गर्ल्स 100 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, शॉटपुट, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, कलर बॉल रिले, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, फुटबॉल, शतरंज, कैरम, तग ऑफ वॉर, शटल रनिंग एवं प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया।अन्य प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहेकृ जूनियर बॉयज़ कबड्डी रू ग्रीन हाउस विजेता,जूनियर गर्ल्स खो–खो रू ब्लू हाउस प्रथम, रेड हाउस द्वितीय रिले रेस रू ग्रीन हाउस विजेता 200 मीटर दौड़ रू येलो हाउस विजेता हाई जंप रू येलो हाउस विजेता रही इस अवसर पर सान्वी चौधरी, वेदांश शुक्ला, शिवम, शुभ, रौनक, मोहम्मद हुसैन, ज़ीशान, अभिनव, अमितेश, आराध्या पटेल, आयांश चौधरी, खुशी चौधरी, आयुष यादव, महिमा, रहमा, अंकिता, अदीबा सहित अनेक छात्र–छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन एवं खेल भावना के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के निदेशक शैलेश चौधरी, उप–प्रधानाचार्य विजय प्रकाश चौधरी, पी.टी. शिक्षक अखिलेश कुमार सहित समस्त शिक्षकगण का सराहनीय योगदान रहा। समारोह का समापन जोश, उमंग, तालियों एवं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास से भरे चेहरों के साथ हुआ, जिसने इस आयोजन को स्मरणीय बना दिया।

# रोजाना सुबह 9 बजे से पहले कर लें ये 5 काम, सारा दिन बने रहेंगे ऊर्जावान

सुबह का समय एक नई शुरुआत का प्रतीक होता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका दिन सफल और उत्पादक रहे तो सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। उठने के बाद आपको कुछ ऐसा काम करने चाहिए, जो आपको सारा दिन ऊर्जावान बनाए रखें। ये काम न सिर्फ आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे, बल्कि आपको पूरे दिन तारोताजा महसूस करवाएंगे। रोजाना सुबह 9 बजे से पहले ये 5 काम करने से आपकी उत्पादकता बढ़ेगी।

ध्यान लगाएं: ध्यान लगाना अपने मन को शांत रखने का एक बहुत ही अच्छा तरीका है। यह न केवल तनाव कम करता है, बल्कि एकाग्रता क्षमता को भी बढ़ाता है। सुबह 5–10 मिनट तक ध्यान लगाने से आपका मन तरोताजा रह सकता है और आप पूरे

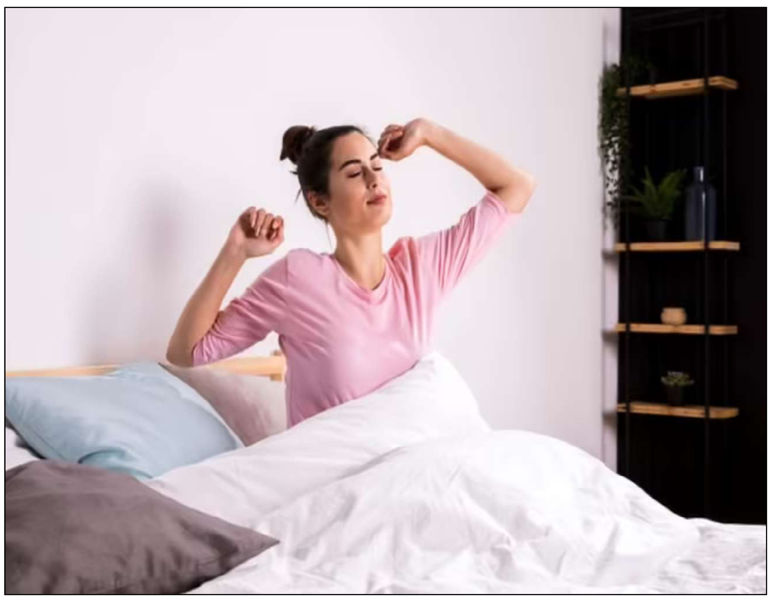

दिन बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ आप हल्का संगीत भी सुन सकते हैं, जिससे आपका मूड सुबह से ही अच्छा हो जाएगा और आपको पूरे दिन चिड़चिड़ाहट महसूस नहीं होगी।

पानी पिएं: सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास पानी पीना चाहिए। यह आपके शरीर को तरोताजा करता है और पाचन तंत्र को सक्रिय करता है। पानी पीने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और आप हाइड्रेटेड महसूस करते हैं। इसके अलावा यह त्वचा को भी निखारता है और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करता है। आप चाहें तो गर्म पानी का भी सेवन कर सकते हैं, जो वजन घटाने में भी मददगार होगा।

एक्सरसाइज करें: सुबह–सुबह हल्की एक्सरसाइज करना फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर सक्रिय हो जाता है और मस्तिष्क भी तरोताजा महसूस करता है। आप योग या स्ट्रेचिंग कर सकते हैं और थोड़ी देर सैर पर जा सकते हैं। इससे शरीर का रक्त संचार बेहतर होता है और आप पूरे दिन ऊर्जावान बने रह सकते हैं। इसके अलावा यह आदत मानसिक शांति भी देती है और तनाव को कम करती है। नियमित एक्सरसाइज से आपकी सेहत में सुधार आएगा और आलस कम होगा।

नाश्ता करें: नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन माना जाता है। इससे शरीर को पूरे दिन के लिए जरूरी ऊर्जा मिलती है और चयापचय बेहतर रहता है। नाश्ते में फल, दलिया या पोहा जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें, ताकि आपका शरीर जरूरी पोषक तत्व प्राप्त कर सके। कभी भी नाश्ता स्किप करने की गलती न करें, नहीं तो आपको पूरे दिन थकान महसूस होती रहेगी। अगर समय कम हो तो केवल एक गिलास स्मूदी ही पी लें।

अपनी प्राथमिकताएं तय करें: सुबह–सुबह ही अपनी दिनभर की प्राथमिकताएं तय कर लें। इससे आपको पता रहेगा कि कौन–सा काम पहले करना जरूरी है और कौन–सा बाद में। इससे आपका समय बर्बाद नहीं होगा और आप ज्यादा उत्पादक रहेंगे। आप एक सूची बना सकते हैं या अपने मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं, ताकि सब कुछ व्यवस्थित रहे। इस आदत से आपका दिन सफल और संतुलित रहेगा, जिससे आप अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकेंगे।

# जयपुरिया स्कूल बस्ती की बड़ी स्कॉलरशिप योजना शुरू,विधायक कवीन्द्र चौधरी एवं महेन्द्र नाथ यादव ने किया उद्घाटन

## 12 साल लगातार पर 1 लाख, 10 साल पर 70 हजार की स्कॉलरशिप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नए शैक्षणिक सत्र को लेकर जयपुरिया स्कूल बस्ती ने अभिभावकों और छात्रों के लिए आकर्षक स्कॉलरशिप योजना शुरू की है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार निर्धारित अवधि के भीतर प्रवेश लेने वाले छात्रों को विशेष स्कॉलरशिप दिया जाएगा। इस योजना के तहत जो छात्र विद्यालय में लगातार 12 वर्षों तक अध्ययन करेंगे उन्हें एक लाख रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी, वहीं 10 वर्षों तक पढ़ाई करने वाले छात्रों को सत्तर हजार रुपये की स्कॉलरशिप दी जाएगी। यह लाभ 28 फरवरी तक प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा। इस स्कालरशिप का उद्धघाटन सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव एवं कप्तानगंज विधायक कवीन्द्र यादव ने किया। उन्होंने कहा कि निदेशक मंडल का यह प्रयास काफी सराहनीय है इस स्कॉलरशिप यहाँ शिक्षा ले रहे छात्रो का आगे की शिक्षा के लिए बल मिलेगा। साथ ही वह विद्यालय जिले एवं अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा

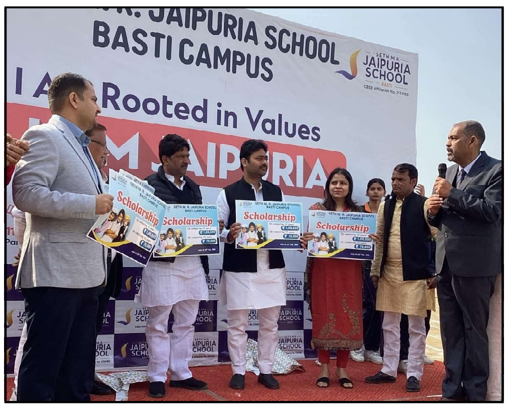


कि सेठ एम आर जयपुरिया के सभी शिक्षक एवं प्रबन्ध तंत्र प्रधानाचार्य को बधाई देते है कि छात्रो को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उनके भविष्य के लिए शानदार पहल की है।इससे उनके पढ़ने की रुचि बढ़ेगी। निदेशक मंडल का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को स्थिर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ना और अभिभावकों को आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग देना है, ताकि बच्चे एक ही संस्थान में निरंतर पढ़ाई कर बेहतर शैक्षणिक वातावरण का लाभ उठाने के साथ साथ बिना किसी रूकावट के आगे की भी पढ़ाई जारी रख सके। विद्यालय की विशेषताओं में आधुनिक स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग सिस्टम, अनुभवी शिक्षकों की टीम, अनुशासित वातावरण तथा सुरक्षित परिसर प्रमुख हैं। यहां पढ़ाई के साथ–साथ खेलकूद, योग, आर्ट–क्राफ्ट और विभिन्न सह–पाठयक्रम गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। साथ ही नियमित अभिभावक–शिक्षक संवाद और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की व्यवस्था भी उपलब्ध है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार नए सत्र के प्रवेश शुरू हो चुके हैं और स्कॉलरशिप योजना को लेकर अभिभावकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। स्कूल का मानना है कि यह योजना विद्यार्थियों की शैक्षणिक निरंतरता बढ़ाने के साथ–साथ उनके बेहतर भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होगी। प्रधानाचार्य प्रकाश जोशी ने कहा कि निदेशक मंडल हमेशा बेहतर देने के कुछ नया करता रहता है स्कॉलरशिप से निश्चित ही यहाँ के छात्रो को नई उड़ान मिलेगी।

# टेलीमानस सेवा से मानसिक स्वास्थ्य को नई मजबूती: डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा संचालित टेलीमानस सेवा जनपद बलरामपुर में प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने बताया कि टेलीमानस सेवा के माध्यम से मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता, नशा मुक्ति, पारिवारिक समस्याओं सहित विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों पर विशेषज्ञ ऑन लाइन परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। सीएमओ डॉ. रस्तोगी ने बताया कि टेलीमानस सेवा 24×7 निःशुल्क हेल्पलाइन 14416 के माध्यम से आमजन के लिए उपलब्ध है। इस सेवा के जरिए प्रशिक्षित काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा गोपनीयता के साथ परामर्श दिया जाता है, जिससे लोग बिना किसी झिझक के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, आर्थिक दबाव और सामाजिक कारणों से मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में टेलीमानस सेवा ग्रामीण व दूर–दराज के क्षेत्रों के लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है, जहां विशेषज्ञ सेवाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पातीं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि मानसिक तनाव या किसी भी प्रकार की मानसिक परेशानी होने पर इसे नजरअंदाज न करें और टेलीमानस हेल्पलाइन का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज की नींव है और टेलीमानस सेवा इसी दिशा में एक सशक्त पहल है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा टेलीमानस सेवा के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए जनजागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस महत्वपूर्ण सेवा से जुड़ सकें।

# मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**रूधौली।** तहसील दिवस में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में रुधौली तहसील

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की। इस अवसर पर जिलास्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में आम जन की शिकायतें सुनी गईं और संबंधित विभागों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि संपूर्ण तहसील दिवस शासन की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान एक ही मंच पर करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए तथा अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ताओं को संतुष्ट करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान राजस्व21, विकास04, पुलिस03, स्वास्थ्य02, शिक्षा01, बिजली08, पूर्ति 02, जिला प्रोबेशन 01, कृषि विभाग 02एवं समाज कल्याण 02 से संबंधित अनेक शिकायतें प्राप्त हुईं। कुछ 08 मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा में समाधान के निर्देश दिए गए।तहसील दिवस में उप जिलाधिकारी रूधौली, तहसीलदार रूधौली, नायब तहसीलदार रुधौली, खंड विकास अधिकारी रूधौली, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण : 2026 के अंतर्गत कार्यक्रम की तिथियों में संशोधन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ज्योति राय ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा अर्हता तिथि 01–01–2026 के आधार पर समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण.2026 के अंतर्गत कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित किया गया है। संशोधित कार्यक्रम में दावे एवं आपत्तियाँ प्रस्तुत करने की अवधि 06 जनवरी से 06 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है, जबकि नोटिस चरण, एनुमरेशन फॉर्म पर निर्णय एवं दावे/आपत्तियों का निस्तारण 27 मार्च 2026 तक किया जाएगा। 10 अप्रैल 2026 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने जनपद के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वे **https://voters.eci.gov.in** पर जाकर ऑनलाइन मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें।

# प्रांत प्रचारक का भारत के प्रथम गांव में हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारत नेपाल सीमावर्ती भारत का प्रथम गांव भौरीशाल में गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ सेवा यात्रा के दूसरे दिन अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल जी और साथ में एन एम ओ के राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर एम एल बी भट्ट ने पहुंचकर चिकित्सा शिविर में उपस्थित डॉक्टरों को मिठाई खिलाकर उत्साह वर्धन किया,गुजरात,राजस्थान और लखनऊ से आए डॉक्टरों ने अपना अनुभव थारूजनजाति के लोगो के बीच इलाज के दौरान साझा किया। प्रांत प्रचारक कौशल जी थारू जनजाति के बीच साथ में बैठकर भोजन भी किया और कहा कि गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ सेवा यात्रा का उद्देश्य सीमावर्ती वनों में निवास करने वालो के बीच स्वास्थ सेवा पहुंचे उनका उपचार हो।इस दौरान गांव के मुखिया को भी सम्मानित किया। जनपद के चार खंडों,पचपेड़वा, गैसडी,तुलसीपुर, शिवपुरा के 75 गांवों में नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन की टीम द्वारा दो दिन 25 हजार से अधिक मरीजों का निशुल्क इलाज किया। इस दौरान विभाग प्रचारक प्रवीण,जिला प्रचारक जितेंद्र,जिला संयोजक राम. पाल,जिला अध्यक्ष एन एम ओ राधेश्याम,जिला सचिव डॉक्टर विकल्प,भाजपा नेता राम सरन गुप्ता,ब्लॉक प्रमुख मनोज तिवारी,जिला संघ चालक अभिमन्यु ,शैलेंद्र, नीलमणि सहित कई लोग शामिल रहे।

# सम्पादकीय

**फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है। साल 2016 में जो 23,409 लोग लापता हुए थे, उनमें से करीब 85 फीसदी नौ साल के भीतर मिल गए। साल 2025 में दर्ज मामलों में 63 फीसदी लोगों को भी एक साल के भीतर तलाश लिया गया। दलील है कि कई जटिल मामलों में तलाश का ...**

## गुमशुदाओं की तलाश और मिलने की आस

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी–अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती–जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थातद् हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। मसलन यदि कोई बच्चा किसी कारणवश स्कूल से लौटने में देर कर दे, कोई व्यक्ति कुछ घंटों तक फोन संपर्क से कट जाए या कोई बुजुर्ग भटकने पर देर से घर पहुंचे तो लोग गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। ये कथित गुमशुदा लोग कुछ समय बाद घर तो लौट आते हैं, लेकिन लोग पुलिस डेटा को अपडेट नहीं करते। फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है। साल 2016 में जो 23,409 लोग लापता हुए थे, उनमें से करीब 85 फीसदी नौ साल के भीतर मिल गए। साल 2025 में दर्ज मामलों में 63 फीसदी लोगों को भी एक साल के भीतर तलाश लिया गया। दलील है कि कई जटिल मामलों में तलाश का काम एक साल तक पूरा नहीं हो पाता। अन्य राज्यों में उनकी तलाश में समय लगता है। फिर भी पुलिस का दावा है कि दिल्ली के लापता लोगों की संख्या का आंकड़ा दुनिया के कई विकसित देशों से बेहतर स्थिति में है।

## मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का शासन सर्वोपरि है

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम एक राजा के रूप में अतुलनीय हैं। श्रीराम चंद्र जी का राजा के रूप में ऐतिहासिकता भारतीय संस्ःति में रामराज्य के रूप में अमर है। उन्हें एक आदर्श शासक माना जाता है। उन्होंने व्यक्तिगत सुखों से ऊपर अपने कर्तव्यों और प्रजा के कल्याण को सर्वोपरि माना। एक राजा के रूप में श्रीराम के वे प्रमुख गुण, जोकि उन्हें इतिहास में महानतम शासक के रूप में वर्णित करता है। श्रीराम के लिए प्रजा का कल्याण सर्वोपरि था। प्रभु श्रीराम के शासन का मूल मंत्र था प्रजा सुखे सुखं राज्ञः अर्थात् प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है। वे न्यायप्रिय थे। उन्होंने जाति, पंथ या स्थिति के भेदभाव के बिना सभी को समान न्याय प्रदान किया। उनकी त्याग की प्रवृत्ति उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम बनाती है। अपनी प्रजा की संतुष्टि और सामाजिक मर्यादा को बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन के सबसे कठिन निर्णय, जैसे माता सीता का परित्याग, का निर्णय भी लिया। छर असल प्रभु श्रीराम का शासन धर्म आधारित शासन था। राम राज्य का आधार श्धर्मश था, जिसका अर्थ संप्रदाय नहीं, बल्कि नैतिकता, कर्तव्य और सत्य था। उन्होंने अपने पिता के वचनों को निभाने के लिए राजपाठ त्याग दिया, जो यह दर्शाता है कि एक राजा को अपने शब्दों का पक्का होना चाहिए। राम राज्य अनुशासित राज्य था। वे स्वयं नियमों का पालन करते थे ताकि समाज उनका अनुसरण कर सके। उनका कुशल नेतृत्व और उनकी कूटनीति अभूतपूर्व था। एक राजा के रूप में राम केवल कोमल हृदय ही नहीं, बल्कि एक .ढ़ योद्धा और रणनीतिकार भी थे। उनमें सहयोग की भावना थी। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग, जैसे केवट, शबरी, वानर सेना को साथ लेकर असुरों का विनाश किया। यह उनकी समावेशी राजनीति का प्रमाण है। उनके राज्य में चोरी, हिंसा और अन्याय का कोई स्थान नहीं था। रामराज्य की परिकल्पना आज भी दुनिया भर के शासकों के लिए एक उदाहरण है, जहाँ सत्ता का उद्देश्य श्भोगश नहीं बल्कि श्सेवाश है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

## स्वच्छ भारत मिशन को रफ्तार देते इलेक्ट्रिक वाहन

**दूसरा, शहरों को कचरा संग्रहण वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन लाने की चरणब) योजनाएं बनानी चाहिए। शहरी निकाय अपने मौजूदा वाहनों की आयु, ईंधन के प्रकार और दैनिक उपयोग के आधार पर विवरण तैयार करें और पुराने वाहनों को हटाने के क्रम में इ–वाहन लाने का लक्ष्य तय करें। चरणबद्ध योजनाएं वाहन खरीद को राष्ट्रीय – राज्यों के इलेक्ट्रिक–मोबिलिटी लक्ष्यों के साथ तालमेल लाने में ...**

शहरों में कचरा ढुलाई में लगे डीजल–पेट्रोल व सीएनजी वाहनों की जगह विभिन्न चरणों में ई–वाहनों को लाना चाहिये। एक शोध के मुताबिक, इससे कचरा संग्रहण की घटती है। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के प्रभाव और व्यापक हो सकते हैं। पीएम ई–ड्राइव जैसी योजनाएं इसमें मददगार होंगी। बीते कुछ वर्षों में स्वच्छ भारत मिशन से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी बदलाव आया है। देश के लगभग सभी शहरों में घरों के दरवाजे से कचरे का संग्रहण (डोर–टू–डोर वेस्ट कलेक्शन) अब एक सामान्य और नियमित व्यवस्था बन चुकी है। दूसरी तरफ, 'फेम' और हालिया घोषित 'पीएम ई–ड्राइव' जैसी योजनाएं भारत के 'क्लीन मोबिलिटी' के लक्ष्य को आगे बढ़ा रही हैं। कचरा संग्रहण वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन (पेट्रोलध् डीजलध् सीएनजी वाहनों की जगह इ–वाहनों का उपयोग) से, ये दोनों प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकताएं परस्पर जुड़ सकती हैं। इससे कचरा संग्रहण वाहनों की परिचालन लागत घट सकती है व इन प्रदूषण–मुक्त वाहनों से स्वच्छ भारत मिशन के प्रभाव और व्यापक बनाये जा सकते हैं। भारतीय शहरों में सालाना करीब 1.4 से 1.6 लाख टन शहरी कचरा निकलता है। साल 2016 से 2024 के बीच, शहरी निकायों में कचरा संग्रहण में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका दायरा 44 प्रतिशत वार्डों से बढ़कर अब 97 प्रतिशत वार्डों तक पहुंच गया है, जो लगभग पूर्ण–विस्तार के नजदीक है। इसी वजह से शहरी निकायों के वाहनों का बेड़ा देश में सबसे बड़े संगठित वाहन बेड़े में से एक बन गया है। हालांकि, देश में 70 प्रतिशत से अधिक कचरा 'जनगणना श्रेणी–1' के शहरों (1 लाख से अधिक आबादी) से निकलता है, जो सालाना 3–4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के हालिया शोध के अनुसार, बढ़ती जनसंख्या और कचरे की मात्रा में वृद्धि को देखते हुए इन शहरों को 2030 तक डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण के लिए 80,000 नए वाहन चाहिये। शहरी कचरा प्रबंधन के लिए आवंटित कुल बजट का करीब आधा हिस्सा कचरा संग्रहण व ढुलाई पर खर्च होता है। इतने अधिक वित्तीय बोझ के अलावा डीजल या सीएनजी वाहनों से कचरा संग्रहण और ढुलाई का पर्यावरण पर असर पड़ता है। अमृतसर के उदाहरण के साथ सीईईडब्ल्यू का अध्ययन बताता है कि कचरा संग्रहण वाहनों का इलेक्ट्रिफिकेशन कितना लाभ दे सकता है। अभी अमृतसर में कचरा संग्रहण व ढुलाई में 200–220 चौपहिया डीजल वाहन इस्तेमाल होते हैं, जो रोजाना 400 टन से अधिक कचरे का प्रबंधन करते हैं। प्रतिदिन प्रति वाहन औसत उपयोग 15–20 किमी है। इस उपयोग स्तर पर इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन अपने पूरे जीवनकाल में मौजूदा वाहनों के मुकाबले 25–30 फीसदी किफायती साबित होंगे, जिससे नगर निगम का सालाना ईंधन खर्च 60–80 फीसदी कम होगा। भारतीय शहरों में आमतौर पर कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन 15–55 किमी दूरी तय करते हैं, जिनमें तीन व चार पहिया वाहन शामिल हैं। प्रतिदिन प्रति वाहन 50–60 किमी अधिकतम उपयोग स्तर पर इ–तिपहिया वाहन सबसे किफायती विकल्प हैं, जबकि इलेक्ट्रिक चौपहिया वाहन डीजल व सीएनजी वाहनों के मुकाबले सस्ते पड़ते हैं। प्रत्येक इ–वाहन सालाना लगभग 83 किलोग्राम सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) और आधा टन नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन घटा सकता है। कचरा संग्रहण वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन का आधार काफी मजबूत है। चूंकि ये वाहन तय मार्गों पर चलते हैं और लौटकर डिपो में खड़े होते हैं, इसलिए इन्हें रात में चार्ज करना संभव है। इससे वाहनों की दूरी तय करने की चिंता खत्म होती है। लखनऊ, चेन्नई और इंदौर जैसे शहर कचरा संग्रहण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल शुरू कर चुके हैं। इन सफलताओं को देश के सभी शहरों में लागू करने को एक सुनियोजित रोडमैप की जरूरत है। सबसे पहले, शहरी स्थानीय निकायों को पायलट प्रोजेक्ट्स के जरिए इ–वाहनों के प्रति भरोसे में लेना चाहिए। कचरा प्रबंधन में विशेष काम शामिल होते हैं, खास तौर पर गीले कचरे के प्रबंधन में। इसलिए, पायलट प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देना चाहिए, दूसरे शहरों के अनुभवों से सीखने के साथ–साथ शहरस्तरीय कार्यशालाएं आयोजित हों। इससे अधिकारियों और वाहन संचालकों को जमीनी स्थितियों में इ–वाहनों की क्षमता, चार्जिंग जरूरतों और रखरखाव को समझने में मदद मिल सकती है।

## बेरोजगारी भी बढ़ा सकता है खाद्य पदार्थों का आयात

**कपास का ही मामला लें। सितंबर और दिसंबर, 2025 के बीच कपास आयात पर 11 फीसदी शुल्क हटाने से सस्ते कपास की आमद हुई, जिससे घरेलू कीमतें गिर गईं। जहां कपड़ा उद्योग कम दाम से खुश था, वहीं किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। तीन महीनों में ही आयात 30 लाख गांठें बढ़ गया और भारतीय कपास का दाम 1,000 रुपये से 1,500 रुपये प्रति क्विंटल तक...**

ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाजार को सस्ते और बहुत ज्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती–बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। शेक्सपियर के नाटकों में द्वंद्वात्मक कथानक की तरह, एक बड़ी दुविधा यह है कि किस पर विश्वास करें और किस पर नहीं। जहां एक ओर अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रूक रोलिंस ने भारत के साथ एक बढ़िया व्यापार संधि –'अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद हैं'– के लिए अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय वाणिज्य मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भी अमेरिका के साथ 'ऐतिहासिक संधि' के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है और दोहराया है कि यह करते वक्त भारत के संवेदनशील कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को सुरक्षित रखा गया है। क्या यह दोनों लोकतंत्रों के लिए 'परस्पर जीत' वाली स्थिति है या यह जोर–जबरदस्ती और मनमानी का नतीजा है, इसकी पुष्टि तो विवरण से ही हो पाएगी। लेकिन जो बातें सार्वजनिक तौर पर चली हुई हैं, उन्होंने पहले ही देशभर की किसान यूनियनों की रीढ़ में सिहरन की लहर दौड़ा दी है। उनके पास ऐसी चिंता करने के लिए पर्याप्त कारण भी हैं। ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाजार को सस्ते और बहुत ज्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती–बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। अमेरिकी किसानों को पहले से ही हर साल भारी सब्सिडी मिलती है, जो कि तकरीबन 66,314 डॉलर प्रति किसान वार्षिक जितनी है (एग्रीकल्चरल रिसोर्स मैनेजमेंट सर्वे, 2020), यह उन्हें उतार–चढ़ावों से बचाती है। इसके अलावा, अमेरिकी प्रशासन वर्ष 2026 में फार्मर्स ब्रिज असिस्टेंस प्रोग्राम (एफबीए) के तहत किसानों को होने वाले प्रति एकड़ नुकसान की भरपाई हेतु 12 बिलियन डॉलर की मदद उत्पाद भुगतान मद के तहत देने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने इसको 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' का नाम दिया है। ऐसे में जब अमेरिका भारत व्यापार संधि के विवरण का अभी इंतजार है, अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष बड़े–बड़े दावे कर रहे हैं। ब्रूक रोलिंस ने तो सोशल मीडिया पर यह तक कह डाला है कि इस समझौते से 'भारत के विशाल बाजार को अमेरिकी कृषि उत्पादों का अधिक निर्यात हो पाएगा, जिससे कीमतें ऊपर उठेंगी और ग्रामीण अमेरिका में अधिक नकदी आएगी'। यह कथन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तों के मुताबिक है, जिसका जिक्र ट्विटर पर अपनी पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया था कि अमेरिका में आयात होने वाले भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 से घटाकर 18 परसेंट कर दी गई है और भारत में नॉन–टैरिफ बैरियर हटाने के अतिरिक्त अमेरिकी निर्यात पर आयात कर शून्य कर दिया गया जाएगा। इस बीच, भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों को भरोसा दिला रहे हैं कि यह समझौता किसानों के हितों को 'सुरक्षित' रखने के बाद ही किया गया है। इन भरोसे के बावजूद, भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की खबर ने पहले ही किसान समुदाय को परेशान कर डाला है। भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए, जो कोई अन्य जानकारी देने से बच रही है, कई किसान नेताओं ने शक जताया है कि क्या किसानों के हितों की रक्षा में वास्तव में हुई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बयान में चेतावनी दी है कि आयात शुल्क शून्य होने से सस्ते आयातित उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी, और इसलिए 12 फरवरी से नए विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी है। किसान नेताओं का कहना है कि प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन 2020–21 के विरोध प्रदर्शनों की तर्ज पर होंगे। किसान समुदाय को इस बात का भी गुस्सा है कि बजट–2026 में कृषि आय को बढ़ाने के लिए जरूरी उपायों पर ज्यादातर चुप्पी रही है, और पहले से ही संकट झेल रहे कृषि क्षेत्र की रक्षा के लिए लाल लकीर कहां खींची जाए, इस पर किसानों से कोई सलाह–मशविरा नहीं किया गया है। इसके अलावा, सबसे अमीर व्यापारिक समूह, ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि भारतीय किसानों को 2000–01 और 2024–25 के बीच कुल मिलाकर 111 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, लिहाजा किसानों के लिए एक और बड़ा झटका सहना मुश्किल होगा। हिमाचल प्रदेश में सेब बागवान संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने चेतावनी दी है 'यह असहाय किसान समुदाय पर बड़े हथौड़े की मार जैसा होगा'। उन्होंने डर जताया कि यूरोपियन यूनियन और न्यूजीलैंड के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की वजह से सेब को जिस स्तर पर भारतीय बाजार में घुसपैठ मिल गई है, वह अभूतपूर्व है, जिसकी वजह से पहाड़ी राज्यों में सेब उद्योग को भय सता रहा है कि उसका अंत व्यवस्थात्मक ढंग से होने वाला है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी सेब को शून्य आयात शुल्क पर आने की इजाजत दी गई, तो पहाड़ी राज्यों की सेब आर्थिकी बर्बाद हो जाएगी। उधर, कपास, सोया और प्याज उगाने वाले किसान पहले से ही कुछ सालों से कम कीमतों से जूझ रहे हैं, और शून्य आयात शुल्क की वजह से बाजार में सस्ती आयातित उत्पाद आने से भारतीय किसानों के फसल के दाम और गिरने की आशंका है। यह स्थिति अंततः उन्हें खेती छोड़ने को मजबूर कर देगी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति हर साल 500 बिलियन डॉलर मूल्य का अमेरिकन निर्यात होने की बात कह रहे हैं, जिसमें ऊर्जा, तकनीक, कोयला और खेती के अलावा दूसरे क्षेत्र शामिल हैं, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि निर्यात का यह आंकड़ा शायद अगले 5 सालों का है यानी 100 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष होगा।

# इंग्लैंड को हराकर विश्व कप जीतने वाले अंडर–19 चैम्पियन पर बीसीसीआई की धनवर्षा, मिलेंगे 7.5 करोड़

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इंग्लैंड को अंडर–19 विश्व कप के फाइनल में हराकर टीम के खिताब पर कब्जा जमाने वाली भारतीय अंडर–19 क्रिकेट टीम को 7.5 करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अंडर–19 विश्व कप जीतने, अपराजित रहने और फाइनल में इंग्लैंड को हराने पर भारतीय अंडर–19 टीम पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने घोषणा की कि बीसीसीआई टीम को 7.5 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगा।

एएनआई से बात करते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि अंडर–19 विश्व कप 2026 में हमारी अंडर–19 टीम की जीत पर पूरा देश और बीसीसीआई को गर्व है। जिस तरह से हमारी टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को हराया और टूर्नामेंट में अपराजित रही, हम सभी को इस पर गर्व है। बीसीसीआई टीम को 7.5 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व कप में अंडर–19 टीम के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए कहा था कि भारत की क्रिकेट प्रतिभा चमक रही है! विश्व कप घर लाने के लिए हमारी अंडर–19 टीम पर गर्व है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। यह जीत कई युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी। खिलाड़ियों को उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

भारत अंडर–19 ने फाइनल में इंग्लैंड अंडर–19 को 100 रनों से हराकर आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 का खिताब जिम्बाब्वे के हरारे में जीता और अपना छठा खिताब अपने नाम किया। युवा भारतीय टीम ने रोमांचक फाइनल में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए, भारत ने 411ध्9 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 80 गेंदों में 15 चौकों और 15 छक्कों की मदद से 175 रनों की तूफानी पारी खेली। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 51 गेंदों में 53 रन जोड़े, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने 31 गेंदों में 40 रनों की तेज पारी खेली। इंग्लैंड के कालेब फाल्कनर ने 115 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन मेहमान टीम 412 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही। भारत के इस दबदबे वाले प्रदर्शन ने युवा वनडे फाइनल में छक्कों का नया रिकॉर्ड भी बनाया, जिसमें 31 छक्के शामिल थे – जो पिछले रिकॉर्ड 23 से कहीं अधिक है। इस जीत के साथ भारत ने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में अंडर–19 विश्व कप जीता था, जबकि इंग्लैंड को 1998 के बाद से अपना दूसरा खिताब जीतने का इंतजार है।

# टी20 विश्व कप में जसप्रीत बुमराह नहीं खेलेंगे पहला मैच

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की तैयारियों में भारत की फिटनेस संबंधी चिंताओं के चलते कई झटके लगे हैं। खबरों के मुताबिक, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वायरल बुखार के कारण अमेरिका के खिलाफ अपना पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, बुमराह शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय प्रशिक्षण सत्र में तो पहुंचे, लेकिन उसमें हिस्सा नहीं लिया।बु मराह की गैरमौजूदगी के चलते भारत के पास खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत से पहले सिर्फ 13 पूरी तरह फिट खिलाड़ी बचे हैं।

ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर अभी तक विश्व कप टीम से नहीं जुड़े हैं क्योंकि वे अभी भी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे हैं।

शुक्रवार रात को बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि हर्षित राणा अंतिम समय में टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। राणा को इस सप्ताह की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के विश्व कप अभ्यास मैच के दौरान घुटने में चोट लगी थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा कि टीम इंडिया के तेज गेंदबाज हर्षित राणा 4 फरवरी, 2026 को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वार्म–अप मैच के दौरान घुटने में चोट लगने के कारण आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गए हैं। एक विशेषज्ञ से परामर्श और स्कैन के बाद, बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। टीम प्रबंध ान उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है।

मोहम्मद सिराज को बुमराह के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है और बुमराह की अनुपस्थिति में आज रात उन्हें भारतीय प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाने की संभावना है। डी वाई पाटिल स्टेडियम में हुए वार्म–अप मैच के दौरान राणा को अपना घुटना पकड़े हुए देखा गया। उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका और 16 रन दिए, जिसके बाद वे लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। भारत का लक्ष्य तीन टी20 विश्व कप खिताब जीतने वाली पहली टीम बनना है।

# 14 साल की उम्र में मचाया गदर, फिर भी क्यों टीम इंडिया में नहीं हो सकती वैभव सूर्यवंशी की इंट्री?

इंग्लैंड के खिलाफ अंडर–19 विश्व कप के फाइनल में वैभव सूर्यवंशी के तूफानी प्रदर्शन की गूंज क्रिकेट जगत में अभी भी गूंज रही है। 80 गेंदों पर उनके 175 रन सिर्फ एक पारी नहीं थी, बल्कि रिकॉर्डों पर उनका दबदबा कायम कर दिया। 15 छक्कों और ऐसे स्ट्राइक रेट के साथ जिसने किसी भी फाइनल मुकाबले को धराशायी कर दिया, बिहार के इस 14 वर्षीय खिलाड़ी ने प्रशंसकों के मन में एक अहम सवाल खड़ा कर दिया हैरू अगर वह इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों को ध्वस्त करने और आईपीएल में शतक लगाने में सक्षम हैं, तो उन्हें भारतीय वरिष्ठ टीम में क्यों नहीं रखा गया है?

हालांकि, यह आसान नहीं है। इसका जवाब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा निर्धारित एक नियम में निहित है। सूर्यवंशी के लिए भारतीय वरिष्ठ टीम में जगह बनाने की राह में सबसे बड़ी बाधा आईसीसी की न्यूनतम आयु नीति है। युवा खिलाड़ियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए 2020 में लागू की गई इस नीति के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए खिलाड़ी की आयु कम से कम 15 वर्ष होनी चाहिए। वैभव का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ था। फरवरी 2026 में विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के समय, तकनीकी रूप से उनकी आयु 14 वर्ष ही थी।

बिहार के लिए चाहे वैभव कितने ही 36 गेंदों में शतक बना लें या राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में कितने ही गेंदबाजों को परेशान कर दें, वरिष्ठ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के हाथ 27 मार्च 2026 तक बंधे हुए हैं। वरिष्ठ टीम के लिए उनकी उम्र अभी कम है, और विडंबना यह है कि भारत की अंडर–19 टीम के साथ उनका कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है। बीसीसीआई अंडर–19 विश्व कप के लिए एक सख्त वन–टूर्नामेंट नियम लागू करता है। इस नीति का उद्देश्य आयु वर्ग के विशेषज्ञों को रोकना और नई प्रतिभाओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

2026 विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीतने के बाद वैभव 2028 या 2030 के इन बड़े टूर्नामेंटों में वापसी नहीं कर सकते, भले ही दोनों ही संस्करणों में उनकी उम्र अंडर–19 ही रहेगी। ष्सूर्यवंशी तूफानष फिलहाल घरेलू और फ्रेंचाइज क्रिकेट की सीमाओं तक ही सीमित है। हालांकि, उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। 2026 के अंत में भारत के व्यस्त क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए, जैसे ही उनकी उम्र 15 साल होगी, उनके नाम की नीली जर्सी लगभग तुरंत ही छप जाएगी।

# ताइवान के पास चीन की बड़ी सैन्य हलचल, पीएलए के 6 विमान दिखे, सेना **High Alert** पर

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक अपने क्षेत्रीय जलक्षेत्र के आसपास छह चीनी विमानों और सात नौसैनिक जहाजों की मौजूदगी का पता लगाया। इन छह में से पांच विमान ताइवान के दक्षिण–पश्चिमी और पूर्वी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। एक्स पर एक पोस्ट में, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह 6 बजे (**UTC+**8) तक ताइवान के आसपास **PLA** के 6 विमानों और **PLAN** के 7 जहाजों का पता चला। इनमें से 5 विमान ताइवान

के दक्षिण–पश्चिमी और पूर्वी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। हमने स्थिति पर नजर रखी और कार्रवाई की।

इससे पहले शुक्रवार को, रक्षा मंत्रालय ने च्स्। के 8 विमानों और **PLAN** के 6 जहाजों का पता लगाया था। इनमें से 6 विमान मध्य रेखा पार करके ताइवान के दक्षिण–पश्चिमी और पूर्वी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। एक्स पर एक पोस्ट में, रक्षा मंत्रालय ने कहा, आज सुबह 6 बजे (**UTC+**8) तक ताइवान के आसपास **PLA** के 8 विमानों और **PLAN** के 6 जहाजों का पता चला। इनमें से 6 विमानों ने मध्य रेखा पार की और ताइवान के दक्षिण–पश्चिमी और पूर्वी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। हमने स्थिति पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की।

बुधवार को जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने महत्वपूर्ण खनिजों पर कई देशों की बैठक बुलाई, जिसे चीन के लगभग प्रभुत्व से खुद को बचाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, तब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात की। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में शी जिनपिंग के साथ अपनी बातचीत का जिक्र किया, अप्रैल में चीन की अपनी यात्रा की पुष्टि की और कहा कि चीन के साथ संबंध बेहद अच्छे हैं।

# टी20 विश्व कप में हारी बाजी जीत गया पाकिस्तान, फहीम अशरफ ने आखिरी ओवर्स में जिताया मैच

शनिवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के पहले मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स के खिलाफ बड़े उलटफेर से बाल–बाल खुद को बचाया। ऑलराउंडर गेंदबाज फहीम अशरफ ने मुश्किल हालात से टीम को जीत दिलाई और पाकिस्तान ने तीन विकेट से अपना पहला मैच जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने निडरता दिखाते हुए पावरप्ले में ही 50 रन पर 2 विकेट बना लिए। माइकल लेविट (15 गेंदों में 24 रन) ने शुरुआती ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की, जिसमें एक छक्का भी शामिल था, लेकिन मोहम्मद नवाज (4 ओवर में 2/38) का शिकार हो गए।

आधे ओवर तक नीदरलैंड्स 79 रन पर 3 विकेट के साथ अच्छी स्थिति में थी और बाद में 15 ओवर में 123 रन पर 4 विकेट तक पहुंच गई। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (37) और बास डी लीड (30) टीम को 170 से अधिक के मजबूत स्कोर की ओर ले जाते नजर आ रहे थे। हालांकि, अबरार अहमद (2/23) और साइम अयूब (2/7) की अगुवाई में पाकिस्तानी स्पिनरों ने नीदरलैंड्स की बल्लेबाजी को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया।

नीदरलैंड्स ने अपने आखिरी छह विकेट मात्र 20 रनों पर गंवा दिए और 19.5 ओवरों में 147 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सलमान मिर्जा सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करते हुए 3ध्24 का आंकड़ा हासिल किया।

पाकिस्तान ने 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरे ओवर में साइम अयूब (24) के तीन चौकों की हैट्रिक से शुरुआत की, और साहिबजादा फरहान शानदार फॉर्म में दिख रहे थे, जिन्होंने 31 गेंदों में 47 रन बनाए। 98/2 के स्कोर पर, 2009 टी20 विश्व कप चौंपियन के लिए जीत लगभग तय लग रही थी। हालांकि, खेल में नाटकीय मोड़ आया और पाकिस्तान ने सिर्फ दो रन पर तीन विकेट गंवा दिए। साहिबजादा फरहान, उस्मान खान और बाबर आजम के विकेट जल्दी–जल्दी गिरते गए और पाकिस्तान अचानक 13 ओवरों में 105/5 के स्कोर पर पहुंच गया। इसके बाद पॉल वैन मीकेरेन और आर्यन दत्त ने तेजी से रन बनाते हुए स्कोर को 114/7 तक पहुंचा दिया, जिसमें मोहम्मद नवाज और शादाब खान भी आउट हो गए।

12 गेंदों में 29 रनों की जरूरत थी, तब फहीम अशरफ ने लोगन वैन बीक द्वारा फेंके गए आखिरी ओवर से ठीक पहले वाले ओवर में 24 रन बनाए और फिर आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर विजयी चौका लगाकर अपनी टीम को टूर्नामेंट का पहला अंक दिलाया। हालांकि 2009 के चौंपियन भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच का बहिष्कार करने की घोषणा के बाद भी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने से राहत महसूस करेंगे।

# इस्लामाबाद बम धमाके पर भारत ने जताई संवेदना, साथ ही पाकिस्तान को घर में पल रही बुराइयों पर घेरा

भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद में हुए आत्मघाती हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। इस हमले में कम से कम 70 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक घायल हुए हैं। भारत ने जहां एक ओर पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की, वहीं दूसरी ओर इस हमले के लिए श्बाहरी ताकतोंश को जिम्मेदार ठहराने के पाकिस्तान के प्रयास को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अपने समाज को परेशान करने वाली समस्याओं को दूर करने के बजाय, पाकिस्तान भ्रम में रहना पसंद करता है और अपनी ष्घरेलू बुराइयोंष के लिए दूसरों को दोष देता है। शुक्रवार की नमाज के दिन एक शिया मस्जिद को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में कम से कम 70 लोग मारे गए और 200 से ज्यादा घायल हो गए।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ष्आज इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुआ बम धमाका निंदनीय है, और भारत इसमें हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपने सामाजिक ताने–बाने को परेशान करने वाली समस्याओं को गंभीरता से दूर करने के बजाय, पाकिस्तान अपनी घरेलू बुराइयों के लिए दूसरों को दोष देकर खुद को धोखा देना चुनता है।ष इसमें आगे कहा गया, ष्भारत ऐसे किसी भी आरोप को खारिज करता है, जो उतना ही आध ।ारहीन है जितना कि व्यर्थ।ष

## इस्लामाबाद में आत्मघाती बम धमाके में 70 लोगों की मौत

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की राजधानी में एक शिया मस्जिद में एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया, जिसमें कम से कम 70 लोग मारे गए और 200 से ज्यादा घायल हो गए। यह समुदाय पर हाल के सबसे घातक हमलों में से एक है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह शक्तिशाली विस्फोट इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में खदीजा अल कुबरा मस्जिद सह इमामबाड़ा में हुआ और इसकी आवाज काफी दूर तक सुनी गई। पुलिस और चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावर को इमामबाड़ा के गेट पर रोका गया था, लेकिन वह विस्फोटक उपकरण में विस्फोट करने में कामयाब रहा। किसी भी समूह ने तुरंत हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। हालांकि, पुलिस सूत्रों ने कहा कि हमलावर एक विदेशी नागरिक था जिसके संबंध फितना अल ख्वाराजी से थे, यह शब्द तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एक बयान में, टीटीपी के प्रवक्ता मुहम्मद खुरासानी ने किसी भी संलिप्तता से इनकार करते हुए कहा कि उसके उद्देश्य स्पष्ट हैं और पाकिस्तान के सुरक्षा संस्थानों और उनके सहयोगियों तक सीमित हैं। इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी पुलिस के प्रवक्ता तकी जवाद ने कहा कि पुलिस महानिरीक्षक सैयद अली नासिर रिजवी के चचेरे भाई मारे गए लोगों में शामिल थे, जबकि पुलिस प्रमुख का एक और रिश्तेदार घायल हो गया।

चश्मदीदों के हवाले से जियो न्यूज ने बताया कि हमलावर ने खुद को उड़ाने से पहले पहले गोलीबारी की। टेलीविजन फुटेज में टूटे हुए कांच और मलबे के बीच फर्श पर लाशें पड़ी हुई दिखाई दीं। यह हमला पाकिस्तान में बढ़ती सांप्रदायिक हिंसा और सुरक्षा व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है। भारत की तीखी प्रतिक्रिया यह स्पष्ट करती है कि सीमा पार से लगाए जाने वाले बेबुनियाद आरोपों को अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# दिन-दहाड़े अवैध मिट्टी खनन, पुलिस-खनन विभाग की चुप्पी से माफिया बेखौफ

दैनिक बुद्ध का संदेश

**गोन्डा।** गोन्डा जनपद में लगातार अवैध खनन की खबरें प्रकाशित होती रहती है लेकिन जिम्मेदार आंखों पर पट्टी बांध कर बैठे हैं।हाल ही में प्राप्त जानकारी के अनुसार गोन्डा जनपद के थाना कटरा बाजार क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का धंधा दिन-रात खुलेआम फल-फूल रहा है जो शासन-प्रशासन के सख्त आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए नजर आ रहे हैं।लालपुर रोड से जुड़े इलाकों में दोपहर 12 बजे से लेकर रात तक लगातार खनन जारी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। सूत्रों के मुताबिक, खनन माफिया बिना किसी भय के सड़कों पर मिट्टी से लदी भारी ट्रालियां फर्राटे भरते हुए दौड़ा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ पुलिस और खनन विभाग की जानकारी में होने के बावजूद जानबूझकर अनदेखी की जा रही है, जिससे माफियाओं के हौसले और बुलंद हो गए हैं। अवैध खनन पर रोक लगाने के शासन के आदेश इस क्षेत्र में हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। न तो कोई कार्रवाई हो रही है और न ही जांच के नाम पर कोई पहल, जिससे साफ संकेत मिल रहा है कि खनन माफियाओं को कहीं न कहीं संरक्षण प्राप्त है। इस पूरे मामले से जुड़ी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जो आमजन के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वायरल दृश्य जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब देखना यह होगा कि लगातार सामने आ रहे सबूतों और जनआक्रोश के बाद पुलिस व खनन विभाग कब नींद से जागता है, या फिर अवैध खनन का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

# बड़े ही धूमधाम से आयोजित हुआ सालाना फातिहा,कव्वालों ने मोहा मन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**गोन्डा।** गोन्डा जनपद के करनैलगंज क्षेत्र में हर साल की सज्जादा नशीन दरगाह बाबा शहीद मर्द रहमतुल्लाह अलेह तरह इस साल भी शुक्रवार की रात्रि मोहम्मद जकीउल्लाह शाह डॉक्टर मोहम्मद सलमान के आवास ग्राम जहाँगीरवा के मजरा लोहारनपुरवा में हजरत कफीलुल्लाह शाह बड़े बाबा जी रहमतुल्लाह अलेह का सालाना फातिहा बड़े ही धूम धाम सेध मनाया गया। जहाँ नये पुरवा से देर शाम हज़रत कफीलुल्लाह शाह रहमतुल्लाह अलेह के नाम का गागर उठाया गया जो कि डॉक्टर सलमान के घर पर लाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनवारुल हक़ शाह पप्पू मियाँ रहे। कार्यक्रम की शुरुआत महफिले मीलाद से किया गया। मध्य रात्रि से सूफियाना कव्वाली का दौर शुरू हुआ जहां कव्वालों ने पूरी रात्रि कव्वाली सुनाकर लोगों का खूब मन मोहा। इस मौके पर हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल भी देखने को मिली। कार्यक्रम में मुहम्मद फाख़िर, गुड्डू मियाँ, शानू मियाँ, गुलजार मियाँ, जमील अहमद, जाहिद हुसैन उर्फ मुल्ला प्रधान, गुल मुहम्मद, संतराम विश्वकर्मा, अजीज अहमद, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

# त्रि - दिवसीय क्षेत्रीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बलरामपुर।** नया नगर रेहरा बाजार के राम बल यादव इंटर कॉलेज नया नगर के खेल मैदान में त्रि - दिवसीय क्षेत्रीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया स खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रबंधक माननीय राजेश कुमार यादव ने फीता काटकर किया स विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं सभी शिक्षक गण ने प्रबंधक जी को पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया स प्रबंधक जी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की स खेल की शुरुआत लौह गोला फेंक से प्रारंभ हुआ तत्पश्चात लंबी कूद एवं ऊंची कूद में भी प्रतियोगिता लेकर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया स रस्सा- कसी प्रतियोगिता में सीनियर बालक वर्ग में ए.जी हाशमी इंटर कॉलेज एवं राम बल इंटर कॉलेज नया नगर के बीच मुकाबला हुआ जिसमें राम बल यादव इंटर कॉलेज की टीम विजय हुई स इस दौरान खेल का आनंद लेने के लिए कई स्कूलों के छात्र/छात्राएं एवं क्षेत्र के अभिभावगण काफी संख्या में मौजूद रहे तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया

# विधायक निधि से मसूदपुर चौराहे से स्टेशन रोड तक जाने वाली सड़क का होगा अब कायाकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

**पयागपुर/बहराइच।** मसूदपुर चौराहे से लेकर स्टेशन रोड तक जाने वाली सड़क काफी दिनों से अपनी पुरानी अवस्था में पड़ी हुई थी जब पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी के द्वारा अभूतपूर्व प्रयास किया गया तो इस सड़क पर पत्थर पड़ गए वह भी विधायक सुभाष त्रिपाठी के द्वारा डलवाया गया। सड़क पर पत्थर पर जाने के बाद इस सड़क का कोई भी हाल-चाल नहीं ले रहा था। इसी बीच विभिन्न लोगों के द्वारा पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी को सूचना दी गई कि मसूदपुर चौराहे से लेकर स्टेशन रोड तक जाने वाली सड़क की हालत वैसी की वैसी बनी हुई है जरा सा पानी बरस जाने पर सड़क पर लबालब पानी भर जाता है जिसको देखते हुए पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने अपने विधायक निधि से सड़क को बनाने का स्वीकृति दे दी है जिससे अब यह सड़क डामर सड़क के रूप में तब्दील होगी तथा आने जाने वाले लोगों को इस सड़क के बन जाने से काफी हद तक सहूलियत मिलेगा। अगर नगर पंचायत पयागपुर के बारे में बात कही जाए तो यह बात सटीक बैठती है कि 5 साल पूरे होने वाले हैं लेकिन नगर पंचायत का विकास बिल्कुल नहीं हो पाया तथा जगह-जगह विभिन्न वार्डों में बनी हुई नालियों में कूड़ा कर कट का दिखाई पड़ना और नाली का जाम होना तथा नाली से पानी निकल कर सड़क पर भर जाना आदि समस्याएं आज भी अपने पुराने स्वरूप में बरकरार हैं जिस विकास के लिए जनता ने अपना बहुमूल्य मत दिया वह सब अब केवल झूठ ही दिखाई पड़ रहा है। केवल कागजों में ही विकास दिखाई पड़ रहा है हकीकत में ऐसा कुछ कहीं नहीं दिखाई पड़ता। जितना भी विकास कार्य हो रहा है या अब तक हुआ है वह केवल पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी के द्वारा ही करवाया गया है, ऐसा पयागपुर तथा भूपगंज में रहने वाले लोगों के द्वारा बताया जा रहा है कि जहां भी लाइट की समस्या थी वहां पर पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने खंभा लगवा कर सभी लोगों को अंधेरे से उजाले में लाने का कार्य किया , ऐसे में विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी की जितनी भी प्रशंसा की जाए उतना ही कम है।

# अब बड़े पर्दे पर दहाड़ेंगे कालीन भैया, भौकाली अंदाज में होगी मुन्ना-गुड्डू की वापसी, मिर्जापुरः द मूवी की रिलीज तारीख जारी

मिर्जापुर उन चुनिंदा वेब सीरीज में शामिल है, जिसने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखते ही दर्शकों के बीच जबरदस्त सनसनी फैला दी और तगड़ा फैन बेस बना लिया। गालियों से भरे डायलॉग्स, सत्ता की अंधी भूख, खून-खराबे और बेहद दमदार किरदारों ने इस शो को कुछ ही समय में एक कल्ट पहचान दिला दी। हर सीजन के साथ इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और ओटीटी पर इसने रिकॉर्डतोड़ व्यूअरशिप हासिल की। दर्शकों के इस अपार प्यार और क्रेज को देखते हुए अब मेकर्स ने शमिर्जापुरय की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने का बड़ा फैसला लिया है। बहुत जल्द शमिर्जापुररू द फिल्मय सिनेमाघरों में रिलीज होकर वही भौकाल मचाने वाली है, जिसके लिए यह सीरीज जानी जाती है। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है।

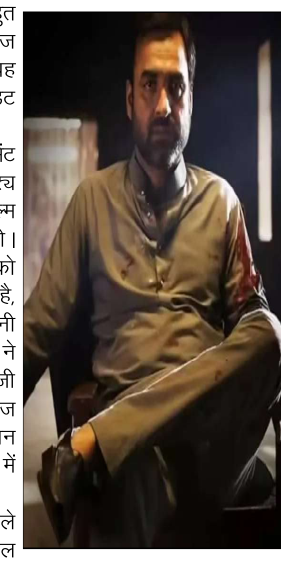

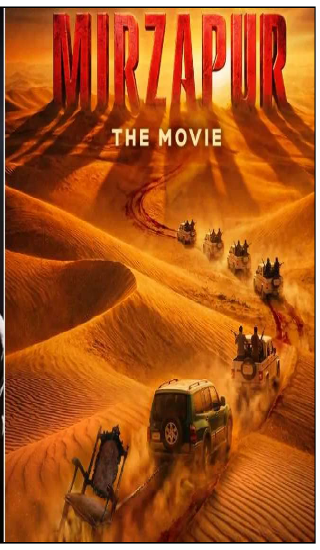


अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट की सबसे बड़ी और फैन-फेवरेट फ्रैंचाइजी शमिर्जापुरय को पहली बार सिनेमाघरों में ला रहे हैं। यह फिल्म मिर्जापुर यूनिवर्स की एक अनसुनी कहानी दिखाएगी। एक्सल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। भारत की सबसे आइकॉनिक ओटीटी फ्रैंचाइजी अब बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। मेकर्स ने आज मिर्जापुररू द मूवी की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म दर्शकों को उसी रॉ और दमदार दुनिया में ले जाएगी, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्केल पर। पंकज त्रिपाठी के कालीन भैया, अली फजल के गुड्डू पंडित के साथ-साथ दिव्येंदु के मुन्ना भैया की भी बहुप्रतीक्षित वापसी हो रही है। पहली बार मिर्जापुर की कल्ट कहानी सिनेमाघरों में उतरेगी और इस तरह से अपने फैंस को एक जबरदस्त बिग-स्क्रीन अनुभव देने वाली है। फिल्म में इसके अलावा जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा और सोनल चौहान जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत, एक एक्सल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन शमिजार्पुररू द मूवीय का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल मेकर्स ने कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स की मानें तो यह प्रोजेक्ट या तो वेब सीरीज की शुरुआत की कहानी यानी प्रीक्वल हो सकता है या फिर उसी टाइमलाइन में घटने वाली किसी बेहद अहम घटना पर आधारित होगा। इतना तय माना जा रहा है कि फिल्म का स्केल सीरीज के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और भव्य होगा। सत्ता की जंग, खून-खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया, पहले से ज्यादा खतरनाक खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे के लिए मिर्जापुर की दुनिया को और भी रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक अंदाज में पेश करने की पूरी तैयारी की जा रही है।

# जन आधार केंद्र से लेकर आंगनबाड़ी कार्यालय तक निरीक्षण,सीडीओ ने तय की जवाबदेही

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्थित समस्त कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण से ब्लॉक परिसर में प्रशासनिक गतिविधियों में हलचल देखने को मिली और अधिकारियों-कर्मचारियों में जिम्मेदारी का भाव दिखाई दिया।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने विकासखंड परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया।उन्होंने परिसर एवं कार्यालयों को स्वच्छ बनाए रखने, नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा सभी कार्यालयों में अभिलेखों (रिकॉर्ड्स) का सुव्यवस्थित, अद्यतन एवं सुरक्षित संधारण किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालयी व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।निरीक्षण के समय परिसर में संचालित जन आधार केंद्र में शासन द्वारा निर्धारित जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गमन शुल्क का स्पष्ट अंकन दीवारों पर प्रदर्शित नहीं पाया गया। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए खंड विकास अधिकारी, मनकापुर को तत्काल शुल्क विवरण स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को सही जानकारी मिल सके और किसी प्रकार की असुविधा न हो।इस अवसर पर प्रधानमंत्री मॉडल आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवास का भी निरीक्षण किया गया।निर्माण कार्य की प्रगति संतोषजनक पाई गई, हालांकि मुख्य विकास अधिकारी ने कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। साथ ही कार्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों की नाम-पट्टिकाएं भी नहीं लगी पाई गईं।इस पर संबंधित अधिकारी को तत्काल साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सभी अधिकारी-कर्मचारियों की नाम-पट्टिकाएं लगाने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के क्रम में विकासखंड परिसर में निर्मित टैक्सी स्टैंड को एक सराहनीय पहल बताया गया। साथ ही परिसर में उपलब्ध डेडिकेटेड पार्किंग का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप सुनिश्चित कराने हेतु खंड विकास अधिकारी को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

# जनजाति गांव में हजारों लोगो को मिला स्वास्थ्य सेवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ सेवा यात्रा के दूसरे दिन जनपद के चार खंडों, पचपेड़वा, गैसडी, तुलसीपुर, शिवपुरा के लगभग 36 गांवों में नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन की टीम द्वारा सीमावर्ती जनजाति गांव में सुबह 10 बजे से कैंप लगाकर निशुल्क चिकित्सा किया,हजारों लोगो ने चिकित्सा का लाभ लिया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक के निर्देशन में विभाग प्रचारक प्रवीण जी के पर्यवेक्षण में जिला प्रचारक जितेंद्र जी के देखरेख में सैकड़ों स्वयं सेवक और संघ के अनुषार्गिक संगठन के कार्यकर्ता चिकित्सा शिविर कैंप की व्यवस्था में उपस्थित होकर मरीजों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराया।गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ सेवा यात्रा के जिला संयोजक राम. पाल सुबह से ही सभी चिकित्सा शिविर में पहुंच कर स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराया।पचपेड़वा खंड के थारू जनजाति गांव इमलिया कोडर के चिकित्सा शिविर में राजीव मिश्रा भारत विकास परिषद, डॉक्टर विनोद शुक्ला,डॉक्टर निखिल, डॉक्टर शिवानी और शिवानी मरीजों का इलाज कर दवाई दी।

# चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वर प्रसाद गारू ने हासिल की ऐतिहासिक सफलता, 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 375 करोड़ की कमाई की

चिरंजीवी की माना शंकरा वरा प्रसाद गारू एक बहुत बड़ी बॉक्स ऑफिस सक्सेस बनकर उभरी है, जो रीजनल इंडस्ट्री की ऑल टाइम हिट बन गई है। फिल्म ने सिर्फ 25 दिनों में दुनिया भर में कुल 375 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे यह चिरंजीवी के साथ-साथ रीजनल सिनेमा की भी सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई है। यह उपलब्धि कमाल की है, खासकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों मार्केट में फिल्म के जबरदस्त परफॉर्मेंस को देखते हुए, जिसने तीसरे और चौथे हफ्ते में भी लगातार कलेक्शन बनाए रखा। इस फिल्म में नयनतारा, वेंकटेश एक एक्सटेंडेड कैमियो में और दूसरे जाने-माने कलाकार हैं, जिसे साहू गरापति और सुष्मिता कोनिडेला ने शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया है। भीम्स सेसिरोलियो ने म्यूजिक दिया है। माना शंकरा वरा प्रसाद गारू की सफलता का श्रेय इसकी दिल को छू लेने वाली फैमिली एंटरटेनर कहानी को जाता है, जिसमें हाई ऑक्टेन मास एलिमेंट हैं, जो मेगास्टार के लिए एकदम सही हैं।माना शंकर वर प्रसाद गारू ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, 25 दिनों में 375 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 65 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें से 44.75 करोड़ रुपये भारत से और +2.3 मिलियन अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों से आए। पहले सात दिनों के बाद, इसने दुनिया भर में 292 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह एक सर्टिफाइड ब्लॉकबस्टर बन गई। फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स जी5 ने खरीद लिए हैं, जिसके 11 फरवरी, 2026 से प्लेटफॉर्म पर लाइव होने की उम्मीद है। कलेक्शन अभी भी बढ़ रहा है, माना शंकर वर प्रसाद गारू तेलुगु सिनेमा के लिए नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं, यह साबित करते हुए कि क्षेत्रीय तेलुगु सिनेमा सिर्फ कंटेंट और स्टार पावर के दम पर बड़े बॉक्स ऑफिस नंबर हासिल कर सकता है।

# समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सपा की बैठक शनिवार को कार्यालय पर सम्पन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि हम सभी समाजवादी पार्टी के एक–एक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि मतदाताओं का अधिक से अधिक नाम बढ़ाने का काम करें और हर बूथ पर जाकर बीएलओ से संपर्क करके यह पता करें कि प्रारूप 7 किन–किन मतदाताओं का भरा गया है और उसकी सूची लेकर घर–घर जाकर सत्यापन भी करें । यही हम सभी समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है । इसी के साथ स्नातक एवं शिक्षक मतदाताओं का भी नाम बढ़ाने का काम करें। श्री यादव ने कहा कि जनपद सोनभद्र के अधिकारियों से अपील है कि वे लोग किसी के दबाव में काम ना करे बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यास जी गोड ने कहा कि आप लोगों की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने का काम करें और इसी के साथ मतदाताओं का नाम बढ़ाने का काम करें क्योंकि यह भाजपा सरकार समाजवादियों का मतदाता सूची से नाम कटवाने की साजिश बड़े पैमाने पर कर रही हैं। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव

ने कहा कि हम नौजवानों की जिम्मेदारी है कि जनपद सोनभद्र के अधिक से अधिक बूथ का भ्रमण करके मतदाताओं का नाम बढ़ाने का काम करें और इसी के साथ अपने मतदाताओं का नाम चेक करें कि कोई उनका नाम तो नहीं कटवा रहा है क्योंकि भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर समाजवादी पार्टी के मतदाताओं का नाम कटवाने का काम किया जा रहा है। बैठक में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी अनिल प्रधान विजय यादव जिला उपाध्यक्ष वेद मनी शुक्ला राम प्यारे सिंह पटेल लाल बहादुर पाल अशोक पटेल त्रिपुरारी गौर डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल मुनीर अहमद चौधरी यशवंत सिंह राम भरोसे सिंह पटेल रवि कुमार गौड़ राजेश गौड़ हिदायत उल्ला खान बाबूलाल यादव विजय शंकर जायसवाल अवध नारायण यादव जुबेर आलम जुबेर आलम विनीत पांडे सरदार पारब्रह्म सिंह चंद्रभूषण यादव संजय पवन पटेल सत्यम पांडे फारूक अली जिला न्यू लालू भारती अजीत मौर्य प्रदीप कनौजिया शिव नारायण चौहान राजेश विश्वकर्मा विमलेश पटेल राजेंद्र प्रमोद बाबू हाशमी जगत पटेल दीपक केसरी रामविलास अमरेश दशरथ विकास केसरी किस कुमार बैसवार डॉक्टर सिंह पटेल .ष्ण यादव दयाराम मौर्य राजनाथ यादव अभय यादव भोलानाथ निषाद कामरान खान बचोले प्रसाद पटेल अफरोज खान शुभम दुबे सुरेंद्र यादव खुर्शीद आलम रमापति त्रिपाठी राकेश विश्वकर्मा राजमणि लक्ष्मी नारायण जयप्रकाश कमलेश सुभाष रमेश कलेंद्र हरिहर प्रसाद राजू शर्मा कलामुद्दीन आदिल अंसारी जितेंद्र रमाशंकर सिंह और कमलेश चंद्रवंशी मोदी तरकारी राजेंद्र शिव शंकर पासवान के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## जिलाधिकारी द्वारा थाना दुद्धी का किया गया निरीक्षण, सम्बन्धित को दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह द्वारा शनिवार को थाना

दुद्धी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, सीसीटीवी, हवालात, कंप्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति हेल्प डेस्क, पुलिस बैरक, भोजनालय आदि का निरीक्षण कर साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा कार्यालय के अभिलेखों जैसे– अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, बीट सूचना रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों का निरीक्षण कर उन्हें बेहतर व अद्यावधिक करते हुए उनके व्यवस्थित रख–रखाव, थाने पर दाखिल विभिन्न अभियोगों से संबंधित माल/वाहनों के संबंध में न्यायालय के निर्णयोपरांत विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने, आईजीआरएस सन्दर्भों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने, थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित/शिकायतकर्ता की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनने व उनके प्रार्थना–पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत–प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने, शस्त्रों का रख–रखाव व नियमित साफ–सफाई करने, 'मिशन शक्ति कक्ष/महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मी को आने वाली फरियादियों की समस्या को सहानुभूति पूर्वक सुनकर उनका निस्तारण कराने के साथ ही एंटी रोमियों टीम को अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के निर्देश' दिए गये।

## बजट गरीब किसान युवा महिला श्रमिक एवं मध्यम वर्ग को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है : भुपेश चौबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। केंद्रीय बजट को

लेकर शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय राबट्र्सगंज पर आयोजित प्रेस वार्ता में सदर विधायक भूपेश चौबे ने बजट को विकसित भारत 2047 की दिशा में निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, श्रमिक एवं मध्यम वर्ग को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि बजट 2026–27 का कुल बजट 53 लाख करोड़ है, बजट में 12.2 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित से किया गया है तथा फिस्कल ने डेफिसिट को 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है। बजट में शिक्षा के लिए 1,39,289 करोड़ का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक कॉरिडोर के आसपास यूनिवर्सिटी टाउनशिप विकसित की जाएंगी तथा विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग एवं गणित क्षेत्रों में बालिकाओं हेतु छात्रावास बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भी बजट रखा गया है। जिला अस्पतालों में इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर सुविधाओं का 50 प्रतिशत विस्तार, 3 नए एम्स, 5 क्षेत्रीय मेडिकल हब, 1000 निजी मेडिकल कॉलेजों में ट्रॉमा सेंटर, तथा 15 लाख केयरगिवर्स के प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है। कैंसर की 17 दवाइयों और 7 गंभीर बीमारियों की दवाओं पर टैक्स समाप्त कर उन्हें सस्ता किया गया है। नारी सशक्तिकरण के अंतर्गत हर जिले में बालिका छात्रावास, 5 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तथा महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजनाएं लागू की गई हैं। गरीबी उन्मूलन हेतु विकसित भारत ग्राम योजना में 1.51 लाख करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना में 54,916.70 करोड़, तथा शहरी व ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत श्रमिकों, गिग वर्कर्स एवं घरेलू कामगारों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव सहित आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

## आर्केस्ट्रा देखने निकला किशोर बना मौत का शिकार, खेत में रस्सी से बंधा मिला शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/फरेंदा। फरेंदा थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोर की निर्मम हत्या से पूरे इलाके में

दहशत और सनसनी फैल गई है। लेजार महदेवा गांव के पास गेहूं के खेत के किनारे किशोर का रस्सी से बंधा शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान ग्राम बैकुंठपुर निवासी आदित्य चौरसिया के रूप में हुई है। शव की हालत और घटनास्थल के हालात हत्या की सुनियोजित साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं। परिजनों के अनुसार आदित्य 2 फरवरी की रात दोस्तों के साथ आर्केस्ट्रा देखने घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर 4 फरवरी को फरेंदा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। शुक्रवार को गांव के बाहर खेत में शव मिलने की सूचना मिलते ही परिवार समेत पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक का एक पैर रस्सी से बंधा हुआ था, जिससे हत्या की बेरहमी साफ झलकती है। सूचना मिलते ही फरेंदा पुलिस, डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने में जुट गई। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग का मामला सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि आदित्य की पड़ोसी गांव की एक लड़की से फोन पर बातचीत होती थी। इसी बिंदु पर पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने हत्यारों की शीघ्र गिरतारी तथा मृतक का मोबाइल फोन व जूता बरामद होने तक अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। परिजनों का कहना है कि उन्हें सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ फरेंदा अनिरुद्ध कुमार मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास करते रहे। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस प्रशासन का दावा है कि जल्द ही हत्याकांड का पर्दाफाश कर दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

## जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तहसील दुद्धी पर जन-शिकायतों की सुनवाई की

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। तहसील दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा शनिवार को संयुक्त

रूप से तहसील दुद्धी में जन–शिकायतों की सुनवाई की गई। तहसील दिवस के दौरान उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि भूमि संबंधी समस्त प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा समन्वय स्थापित कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे फरियादियों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रकरणों का त्वरित, निष्पक्ष एवं न्यायोचित निस्तारण संभव हो सके। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा द्वारा तहसील ओबरा में, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा द्वारा तहसील सदर में तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय द्वारा तहसील दुद्धी में जन–समस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित मामलों के निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई।

## छोटे मन से साधा गया लक्ष्य पूरा नहीं होता : आर्यन

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय विकास खंड के भरकवाह स्थित बाबा बिहारी इंटरमीडिएट कॉलेज के परिसर में शुक्रवार को

कैरियर गाइडेंस सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिवेताम आयुर्वेद कंपनी की संस्थापक डॉ. प्रियंका ने छात्र– छात्राओं को चिकित्सा क्षेत्र मे कैरियर बनाने की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी और मेडिकल क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए शुरूआत भले ही छोटे स्तर पर हो, लेकिन सोच हमेशा बड़ी होनी ही चाहिए, तभी बड़े लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। छात्र–छात्राओं को बारहवीं मे दाखिला लेने के साथ ही जो पसन्द आये, अपना लक्ष्य सुनिश्चित कर लेना चाहिए, मन पर बोझ लेकर या छोटे मन से साधा गया लक्ष्य पूरा नहीं हो पाता है। वाराणसी से चलकर आये भारत के प्रसिद्ध आर्टिस्ट आर्यन एवं भारती ने विद्यार्थियों को कला क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, मेहनत और रचनात्मकता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अनवरत अभ्यास से प्रविंणता आती है, कला का क्षेत्र बहुत ही ब्यापक है, इस क्षेत्र मे रोजगार के बहुत अवसर उपलब्ध हैं बच्चों को कला के क्षेत्र मे आगे आना चाहिए। तीन सरकारी नौकरियों में सफलता प्राप्त कर चुके विनोद मौर्या ने विद्यार्थियों को सरकारी नौकरी की तैयारी की सही रणनीति, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बारे में मार्गदर्शन दिया। इस दौरान छात्र– छात्राओं ने प्रश्न पूछकर जानकारी प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक बी एन यादव ने सभी विद्यार्थियों को पढ़ाई के महत्व, लक्ष्य निर्धारण और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रबन्ध निदेशक अखिलेश यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन अजय कुमार ने किया, इस अवसर पर प्रवेश कुमार यादव, अनरूध प्रसाद, सुहानी पटेल, बबिता यादव ,ज्ञान प्रकाश, प्रेम पाल, मुकेश कुमार, पूनम, किरन पांडेय, अर्पिता, काजल उपस्थित रहे।

## संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी की अभिनव पहल, मिल रहा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह के निर्देशन में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसीलों में जनसुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक प्रभावी एवं अभिनव पहल की गई। इस पहल के अंतर्गत दिव्यांग प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत कार्ड, निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण तथा खाद्यान्न राशन कार्ड निर्माण की सुविधा एक ही कैंप के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस कैंप में 13 दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र

मौके पर ही तैयार कर उन्हें जिलाधिकारी द्वारा स्वयं प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र प्राप्त करते ही दिव्यांग लाभार्थियों के चेहरों पर अलग ही प्रसन्नता देखने को मिली। लाभार्थियों ने इस पहल के लिए जिलाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने हेतु जिला मुख्यालय के बार–बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, जिससे समय और धन दोनों की बचत हुई है। इसी क्रम में लगभग 23 पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए, जिससे उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। साथ ही किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फार्मर रजिस्ट्री का पंजीकरण कराया गया। निराश्रित महिला पेंशन एवं वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित लाभार्थियों का भी पेंशन पंजीकरण किया गया, जिससे उन्हें समय से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस में शुरू की गई इस नई पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। आमजन का कहना है कि प्रशासन की यह पहल जनहित में मील का पत्थर साबित हो रही है और शासन की योजनाएं अब सीधे पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं। मौके पर उपस्थित पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी पी0के0 कुमार राय, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव सहित सम्बंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

## सबका साथ, सबका विकास भाजपा की मूल नीति, जाति की राजनीति का भविष्य नही: उप मुख्यमंत्री

कुशीनगर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जाति के नाम पर राजनीति करने वाले दल वर्ष 2027 में समाप्त हो जाएंगे। भाजपा की नीति सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास पर आधारित है। उप मुख्यमंत्री शनिवार को फाजिलनगर स्थित पावा नगर महावीर इंटर कॉलेज में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश को भ्रष्टाचार के दलदल से बाहर निकालने का कार्य भाजपा सरकार ने किया है और अब देश को जातिवाद की राजनीति से भी मुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को एक गरीब परिवार से आने वाला प्रधानमंत्री स्वीकार नहीं है। इसी मानसिकता के कारण विपक्ष द्वारा हाल के दिनों में लोकसभा में प्रधानमंत्री को बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष की नकारात्मक सोच को दर्शाता है। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश की स्थिति की चर्चा करते हुए कहा कि उस समय बिजली आती नहीं थी। जबकि आज बिजली जाती नहीं है। उन्होंने कहा कि मनरेगा पहले भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी थी। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने व्यवस्था को पारदर्शी बनाते हुए इसे डीबीटी आधारित प्रणाली से जोड़ा। उन्होंने पूर्व के एक कांग्रेसी प्रधानमंत्री के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले एक रुपये में से मात्र 15 पैसा ही गरीब तक पहुंचता था, जबकि आज सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंच रहा है। स्वयं सहायता समूहों की चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। सरकार उत्पादन की जिम्मेदारी महिलाओं और समूहों को सौंप रही है तथा विपणन की सुविधा उपलब्ध करा रही है। इसी उद्देश्य से विश्व के अनेक देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए जा रहे हैं। आज विश्व के देश भारत के साथ व्यापार समझौते के लिए उत्सुक हैं। जो 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करेगा। कार्यक्रम से पूर्व पं० दीन दयाल उपाध्याय एवं डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

## राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 को सफल बनाने हेतु आवश्यक बैठक सम्पन्न

कुशीनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर संजीव कुमार त्यागी की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक जिला जज के विश्राम कक्ष में समस्त न्यायिक अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस आशय की जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर प्रभात सिंह ने देते हुए बताया कि बैठक के दौरान जनपद न्यायाधीश द्वारा राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 को सफल बनाए जाने हेतु समस्त न्यायिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। उपस्थित अधिकारियों को उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा जारी दिशा–निर्देशों से अवगत कराते हुए अभियान के व्यापक प्रचार–प्रसार पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि आम जनमानस को मध्यस्थता के लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। जिससे वादकारी अधिक से अधिक संख्या में अपने वादों को मध्यस्थता हेतु सन्दर्भित कराकर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण करा सकें। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत सुलह–समझौते योग्य मामलों जैसे पारिवारिक विवाद, सिविल वाद, शमनीय दाण्डिक वाद, चेक बाउन्स से सम्बन्धित वाद, मोटर वाहन दुर्घटना से सम्बन्धित वाद आदि का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से शीघ्र एवं प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। इस अभियान के माध्यम से न्यायालयों में लंबित वादों में कमी लाने के साथ–साथ वादकारियों को सरल, सुलभ एवं समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश्य है। बैठक में राजेन्द्र सिंह– आईवी, पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण कुशीनगर, इफराक अहमद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं0–1, कुशीनगर, आनन्द प्रकाश– तृतीय, विशेष न्यायाधीश, एस०सी०ध्एस०टी० एक्ट, कुशीनगर, शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं0–4, कुशीनगर, सत्यपाल सिंह प्रेमी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्एफ०टी०सी०, कुशीनगर, दिनेश कुमार– द्वितीय विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट, कुशीनगर सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

# स्वयंभू के मेकर्स का बड़ा ऐलान! निकिल सिद्धार्थ स्टारर फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टेक्निशियन और क्रिएटर्स डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी, केजीएफ और सलार के म्यूजिक डायरेक्टर रवि बसरूर, बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंटिल कुमार, बाहुबली के एडिटर तम्मिराजू और कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार, सब मिलकर इस बड़ी फिल्म को बना रहे हैं, जिसकी शूटिंग 170 दिनों तक चली। फिल्म को पिक्सल स्टूडियोज के भूवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है!

दिन की सबसे बड़े ऐलान का वक्त आ गया है, क्योंकि कार्तिकेय फ्रेंचाइज के पीछे चेहरा रहे निखिल सिद्धार्थ अब एक अलग ही अंदाज की ऐतिहासिक महागाथा स्वयंभू के साथ लौट रहे हैं। हम देखते हैं कि वो बिल्कुल शानदार और भव्य अंदाज में नजर आ रहे हैं, और फिल्म का ऐलान भी एक रैप–अप वीडियो के जरिए किया गया है, जो किसी प्रोजेक्ट को पेश करने का सच में अनोखा तरीका है। इसमें फिल्म की भव्यता, दमदार एक्शन, शानदार स्टार कास्ट और एक आम आदमी की उस महाकथा की झलक मिलती है, जो आगे बढ़कर एक योद्धा बन जाता है। निखिल, जिन्होंने पैन–इंडिया सुपरहिट कार्तिकेय 2 से पूरे देश में पहचान बनाई, अब अपनी महत्वाकांक्षी 20वीं फिल्म स्वयंभू के साथ फिर से दर्शकों को बांधने आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर बन रही यह ऐतिहासिक एक्शन फिल्म भरत कृष्णमाचारि द्वारा निर्देशित है, और इसे भूवन और श्रीकर पिक्सेल स्टूडियोज के तहत बना रहे हैं, जबकि टैगोर मधु इसे पेश कर रहे हैं। बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यू और दमदार पैन–इंडिया सोच के साथ, स्वयंभू निखिल की अब तक की सबसे खास फिल्मों में से एक बन रही है। आज मेकर्स ने बड़ा अपडेट दिया है, यह बताते हुए कि इस भव्य फिल्म का शूट आधिकारिक तौर पर पूरा हो चुका है। दो साल की मेहनत और 170 दिनों की लंबी शूटिंग के बाद, टीम ने गर्व के साथ इसकी समाप्ति की घोषणा की है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी अनन्त शान को सलाम करने वाली यह एपिक फिल्म स्वयंभू इस महा शिवरात्रि यानी 13 फरवरी 2026 को दुनिया भर के थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। इस अनुभव को चुनौती भरा और रोमांचक बताते हुए, निखिल ने राइज ऑफ स्वयंभू नाम के रिलीज डेट अनाउंसमेंट वीडियो में इस सफर के बारे में बात की, जिसमें दुनिया बनाने और फिल्म के भव्य निर्माण की झलक मिलती है। जो एक फिल्म के रूप में शुरू हुआ था, वह जल्दी ही एक बड़े विश्व में बदल गया, जिसे कई एकड़ में बने विशाल सेट्स और शानदार मेहनत से तैयार किया गया। करोड़ों की लागत और प्रोड्यूसर भूवन और श्रीकर की पूरी लगन के सहारे, टीम एक ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ी और वो थी इस अनोखी कहानी को बड़े पर्दे पर शानदार तरीके से पेश करना। भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी स्वयंभू उन कहानियों में जाती है जो अब तक कहीं नहीं बताई गईं, ऐसी बातें जो सिर्फ राजा–महाराजाओं और युद्धों की आम कहानियों से कहीं आगे बढ़ती हैं। इसके बीच में एक ऐसे जबरदस्त योद्धा की गाथा है, जिसकी बहादुरी ने एक पूरा समय बदल दिया। वीडियो में निखिल अपने घोड़े मारुति को भी दिखाते हैं और बताते हैं कि उनकी बड़ी फिल्म बनाने में किस शानदार टीम ने मेहनत की है। इस मुश्किल रोल को असली तरह से निभाने के लिए निखिल ने अपने शरीर में बड़ा बदलाव किया और खूब मेहनत वाली ट्रेनिंग की। उन्होंने हिंदी वजर्न में अपनी आवाज भी खुद ही दी, ताकि कहानी और भी सच जैसी लगे। फिल्म में साम्युक्था और नाभा नटेश फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। कैमरा का काम विजुअल मास्टर केके सेंथिल कुमार ने संभाला है, जो बाहुबली, आरआरआर जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर चुके हैं। संगीत का जिम्मा रवि बस्रूर ने लिया है, जो केजीएफ और सालार के लिए भी म्यूजिक बना चुके हैं। प्रोडक्शन डिजाइन एम. प्रभाहरण और रवींद्रा ने किया है, जिन्होंने बड़ी मेहनत से फिल्म की शानदार दुनिया तैयार की है। अब जब फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है, स्वयंभू का सफर शुरू हो गया है, और इस तरह से पैन–इंडिया फिल्म के लिए लोगों की उत्सुकता तेजी से बढ़ रही है।

# बॉक्स ऑफिस पर बॉर्डर 2 का प्रदर्शन जारी, मर्दानी 3 का 7वें दिन निकला दम

सनी देओल की युद्ध ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिर पर अपना पूरा जोर लगाती दिख रही है। यह भारत में 300 करोड़ के क्लब में शामिल होने के बेहद करीब पहुंच चुकी है। इसी के साथ सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 भी लगी हुई है, जो कछुए की चाल चलते–चलते अपना दम तोड़ने के बेहद करीब है। दोनों ही फिल्मों की ताजा कमाई के आंकड़े आ गए हैं। यहां जानिए किसने कितनी कमाई की है।

सनी की फिल्म गदर 2 ने 300 करोड़ के क्लब में जगह बनाई थी, और अब उनकी हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 यह कारनामा दिखाने के बेहद करीब है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने 14वें दिन 3.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया है जिसके बाद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल कमाई 294.25 करोड़ रुपये हो चुकी है। फिल्म की कहानी 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है जिसमें वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी अहम किरदार में हैं।

उधर 30 जनवरी को रिलीज फिल्म मर्दानी 3 एक हफ्ता भी खुद को संभाल नहीं पाई। कमाई धड़ाम से नीचे आ गई है। इसने 7वें दिन, यानी गुरुवार को महज 1.85 करोड़ कमाए हैं, जो छठे दिन 2.1 करोड़ रुपये के मुकाबले कम हैं। कुल मिलाकर रानी की फिल्म ने अब तक का सबसे कम कारोबार किया है जिसके बाद कुल कमाई 26.30 करोड़ रुपये हुई है। फिल्म के निराशाजनक प्रदर्शन ने मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

# सनम तेरी कसम 2 का बनना तय, फैंस को फिर दिखेगी हर्षवधर्न राणे की दीवानगी

हर्षवर्धन राणे और पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन की फिल्म सनम तेरी कसम 2016 में रिलीज हुई थी जिसने लोगों की मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल की। 2025 में जब इसे दोबारा रिलीज

किया गया तो इसने लोगों तहलका ही मचा दिया। सिर्फ 3 दिनों में करीब 15 करोड़ से ज्यादा कारोबार कर लिया। फैंस बेसब्री से इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं जिसके बनने की खबरें कई बार आईं, लेकिन निर्माता दीपक मुकुट ने सीक्वल की पुष्टि कर दी है।

सनम तेरी कसम 2 के 10 साल पूरे होने पर निर्माता ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मुझे बचपन से फिल्म निर्माण में दिलचस्पी रही है। सबसे ज्यादा मुझे इस बात ने आकर्षित किया कि मैं एक निर्माता बनकर इसे साकार करने में मदद कर सकूं। सनम तेरी कसम के साथ मेरा यह सपना साकार हुआ। ईश्वर की कृपा, माता–पिता के आशीर्वाद से फिल्म रिलीज को 1 दशक पूरा हुआ, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका एक रीबूट आने वाला है।

दीपक ने पोस्ट के जरिए सनम तेरी कसम की पूरी टीम को धन्यवाद दिया। साथ ही फिल्म के सह–निर्देशक राधिका राव और विनय सप्रू और संगीतकार हिमेश रेशमिया को आभार जताया। उधर सनम तेरी कसम 2 की आधिकारिक पुष्टि ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। एक यूजर ने लिखा, मैं फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, यह मेरी पसंदीदा फिल्म है। एक अन्य ने लिखा, क्या शानदार फिल्म है। अगला भाग तो सिनेमा में आग लगा देगा।

# एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है दो दीवाने सहर में : संदीपा धर

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा दो दीवाने सहर में का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश

करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक–दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। एक सीन में अभिनेत्री हरे रंग की खूबसूरत ड्रेस में और दूसरे में सिंपल–एलीगेंट लुक में नजर आ रही हैं। संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में दो दीवाने सहर मेंय से उनका जुड़ाव कंटेंट–ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच–समझकर किए गए कदम को दर्शाता है। संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, फिल्म दो दीवाने सहर में का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो। वहीं, रवि उदय सर, आप पलों को ऐसे कैद करते हैं कि मैं उन्हें महसूस करती हूं। अभिरूचि आनंद और पूरी टीम को शुक्रिया। हालांकि, फिल्म में संदीपा के किरदार से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन ट्रेलर देखकर पता चलता है कि फिल्म में अभिनेत्री को एक फ्रेश, कॉन्फिडेंट और खूबसूरत अंदाज में देखा जाएगा।

# क्या आपका मस्कारा खराब हो गया है? इन 5 तरीकों से लगाएं पता

मस्कारा आंखों के मेकअप के लिए इस्तेमाल होने वाला उत्पाद है। इसे पलकों पर लगाया जाता है, जिससे वे लंबी और घनी हो जाती हैं। अगर यह खराब हो जाए तो इसका इस्तेमाल आंखों के लिए हानिकारक हो सकता है। हालांकि, यह पता लगाना थोड़ा मुश्किल होता है कि मस्कारा एक्सपायर हुआ है या सही है। आज के लेख में हम आपको 5 मेकअप टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप पता लगा सकेंगी कि मस्कारा खराब हुआ है या नहीं।

दुर्गंध आनाः आम तौर पर मस्कारा में कोई महक नहीं होती है। हालांकि, अगर आपको अपने मस्कारा से अजीब–सी गंध आ रही है तो समझ जाइए कि वह खराब हो गया है। नया और सही मस्कारा हमेशा कॉस्मेटिक जैसी गंध वाला होता है। वहीं, खराब मस्करा से बदबू आने लगती है। यह बदबू बैक्टीरिया के बढ़ने के कारण पैदा होती है। इसके अलावा ज्यादा उत्पाद एक जगह जमा होने से भी बदबू आ सकती है।

जलन महसूस होनाः अगर आप अपने खराब मस्कारा का इस्तेमाल करती हैं तो आपको आंखों में जलन या खुजली महसूस हो सकती है। खराब मस्कारा में बैक्टीरिया विकसित हो जाते हैं, जो आंखों की कोमल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर आपको मस्करा लगाने के बाद आंखों में जलन या खुजली महसूस हो तो तुरंत उसे साफ कर लें और नया मस्कारा खरीद लें। ध्यान न देने पर आपको आखों का संक्रमण भी झेलना पड़ सकता है।

स्थिरता बदलनाः खराब मस्कारा की स्थिरता पर ध्यान देना भी अहम है। आम तौर पर मस्कारा की स्थिरता तरल, लेकिन थोड़ी ही गाढ़ी होती है। हालांकि, खराब या पुराना होने के बाद वह सूख जाता है और चिपचिपा हो जाता है। अगर आपका मस्कारा भी सूखा है तो समझ जाएं कि उसे फेंकने का समय आ गया है। इस तरह का मस्कारा न तो आपकी पलकों को लंबा कर पाएगा और न ही कोई वॉल्यूम जोड़ पाएगा।

लगाने में परेशानी होना

अगर आपको मस्कारा लगाने में मुश्किल हो रही हो या वह ठीक से न लगे तो उसे इस्तेमाल करना बंद कर दें। यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपका मस्करा खराब हो चुका है। खराब मस्कारा पलकों पर सही तरीके से नहीं लगता और लगने पर तुरंत फैल जाता है। इसके अलावा कभी–कभी खराब मस्कारा से धुंधला प्रभाव भी पड़ सकता है या फिर पलकें चिपचिपी भी हो सकती हैं।

समाप्ति तिथि देखेंः जब भी आप नया मस्कारा खरीदने जाएं तो उसकी समाप्ति तिथि जरूर देखें। ज्यादातर मस्कारा पर समाप्ति तिथि लिखी होती है, जिसे पढ़कर आप यह जान सकती हैं कि वह कब तक सही रहेगा। इसके अलावा मस्कारा खरीदते समय उसकी पैकेजिंग और ब्रांड पर भी ध्यान दें, क्योंकि कुछ ब्रांड समाप्ति तिथि की जानकारी बहुत स्पष्ट तरीके से देते हैं। इन तरीकों से आप आसानी से जान सकती हैं कि आपकी मस्कारा खराब है या नहीं।